RNI:RJHIN/2013/53539
Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2021-23
Licensed to Post without pre-payment
No. RJ/WR/WPP/18/2021
Posted at Shantivan P.O. Dt. 17 to 20 of Each Month

शिव आमंत्रण

आध्यात्म की नई उड़ान

सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवाओं का दर्पण

08

जिस घटना के लिए हम तैयार न थे और वह सकारात्मक या नाकारात्मक रूप में घटित हो जाता है जो...

24 जून मम्मा दिवस

24 जून पुण्य स्मृति दिवस पर यज्ञमाता मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती को शत-शत नमन

वर्ष ‣ 09 | अंक ‣ 06 | हिन्दी (मासिक) | जून ‣ 2022 | पृष्ठ ‣ 16 | मूल्य ‣ ₹ 9.50

आध्यात्म की शक्ति ▸ गुरुग्राम में 21 साल से आध्यात्म की दिव्य ऊर्जा बिखेर रहा ओआरसी

शांति का टापू बना ओम शांति रिट्रीट सेंटर

{ ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के प्रमुख रिट्रीट सेंटर्स में होती है गिनती, यहां का हरा-भरा और शांत वातावरण मन को असीम शांति से भर देता है }

» शिव आमंत्रण, गुरुग्राम/हरियाणा। ओम शांति रिट्रीट सेंटर। शांति का एक टापू, जहां प्रवेश करते ही योग के प्रकम्पन और सकारात्मक ऊर्जा की सुखद अनुभूति साफ महसूस की जा सकती है। कुछ कदम आगे बढ़ते ही पिरामिड आकार के योग कक्ष में पहुंचते ही मन आनंदित हो उठता है।

हरियाणा के गुरुग्राम में वर्ष 2003 में ओम शांति रिट्रीट सेंटर समाज की सेवा में समर्पित कर दिया गया। 28 एकड़ में बने इस विशाल परिसर में 1200 लोगों के आवास-निवास की सुविधा है। यहां की सेवाओं को सुचारु रूप से गति देने के लिए 150 उच्च शिक्षित ब्रह्माकुमार भाई-बहनें समर्पित रूप से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इनके जीवन का एक ही लक्ष्य है मानव सेवा और विश्व कल्याण। वरिष्ठ ब्रह्माकुमारी बहनें मल्टीनेशनल कंपनियों से लेकर केंद्रीय मंत्रालय, शोध संस्थान, स्कूल-कॉलेज, सामाजिक संगठनों में पॉजीटिव थिंकिंग, मोटिवेशनल वर्कशॉप के माध्यम से लोगों को हैप्पीनेस लाइफ के मंत्र सिखा रहीं हैं। यहां से ज्ञान लेकर हजारों लोगों का जीवन पूरी तरह बदल चुका है।

आर्ट गैलरी से दिखा रहे सनातन और देवी संस्कृति की झलक

ऑडिटोरियम के प्रथम तल पर स्थित आर्ट गैलरी में सुंदर चित्रों के माध्यम से देवी-देवता संस्कृति, स्वर्णिम और सनातन संस्कृति की झलक देखने को मिलती है। इन चित्रों को बहुत ही सुंदर तरीके से बनाया गया है। इन्हें देखने पर ऐसा प्रतीत होता है कि यह मूर्तियां सजीव हैं।

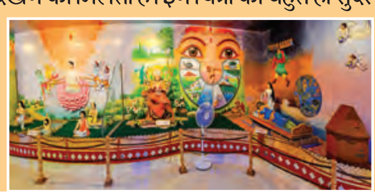

पिरामिड आकार में बना मेडिटेशन रूम

हरियाली, पेड़-पौधों के बीच बने पिरामिड के आकार के मेडिटेशन रूम में ध्यान करने पर एक अलग ही शांति और शक्ति की अनुभूति होती है। पिरामिड को ऊर्जा का केंद्र माना जाता है, इसे ध्यान में रखते हुए मेडिटेशन रूम का इस आकार में निर्माण किया गया है। वहीं बाबा रूम में भी 300 से अधिक साधक बैठकर ध्यान-साधना कर सकते हैं।

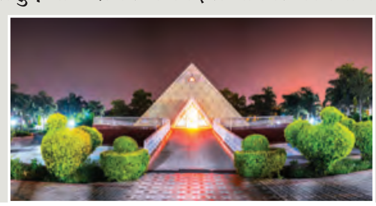

सर्वसुविधायुक्त दादी प्रकाशमणि ऑडिटोरियम: ओम शांति रिट्रीट सेंटर (ओआरसी) के बीचों-बीच विशाल दादी प्रकाशमणि ऑडिटोरियम बना है। इसमें विश्व की छह से अधिक भाषाओं के ट्रांसलेशन के साथ वातानुकूलित सुविधा है। 2300 लोग आराम से कुर्सी पर बैठकर कार्यक्रमों का आनंद ले सकते हैं।

भोजनशाला में मौजूद हैं 11 डॉयनिंग हॉल: ओआरसी की भोजनशाला में 11 डॉयनिंग हॉल हैं। प्रत्येक हॉल में 150 लोग ब्रह्माभोजन कर सकते हैं। भोजनशाला में पिछले पांच साल से बायोगैस का भी भोजन बनाने में उपयोग किया जा रहा है। कुछ भोजन वाइलिंग और भट्‌टी के माध्यम से पकाया जाता है।

गौशाला में हैं 50 गायें: ओआरसी परिसर के पास ही मौजूद दिव्य गौशाला में 50 से अधिक गायें हैं। इनके गोबर का उपयोग बायोगैस में किया जाता है। साथ ही यहां के निवासी भाई-बहनों के लिए शुद्ध दूध गौशाला से आता है।

शेष पृष्ठ 2 पर ➤

सभी शांति की अनुभूति करके जाएं यही मकसद

ओआरसी में सभी चीजों को इस तरह से व्यवस्थित किया गया है कि यहां आने वाला प्रत्येक आगंतुक शांति, शक्ति और पॉजीटिव वाइब्रेशन लेकर जाए। सभी संतुष्ट होकर जाएं। यहां समर्पित सभी भाई-बहनें पूरे मनोभाव से विश्व सेवा में तत्पर रहते हैं। समय-समय पर समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए राष्ट्रीय स्तर की मेडिटेशन रिट्रीट, शिविर और सम्मेलनों का आयोजन किया जाता है।

● राजयोगिनी बीके आशा दीदी
निदेशिका, ओम शांति रिट्रीट सेंटर, गुरुग्राम, हरियाणा

2003	28+	1200+	2300+	07	150+
में पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने किया था उद्घाटन	एकड़ में बना है विशाल परिसर	लोगों के आवास-निवास की व्यवस्था	लोगों की क्षमता का विशाल ऑडिटोरियम	सेमीनार और एक मिनी हॉल	भाई-बहनें समर्पित रूप से दे रहे सेवाएं

शख्सियत

ममता बनीं नारी शक्ति की मिसाल, संघर्ष से लिखी अपनी सफलता की कहानी

ममता घोष

बिजनेस वूमन

8वीं तक पढ़ाई। 14 साल की उम्र में शादी। तीन साल बाद पति ने छोड़ा। खुद के दम पर तीन बेटियों को पाला। बिजनेस में कमा रहीं एक लाख रुपए महीना।

» शिव आमंत्रण, आबू रोड। आठवीं की स्कूली पढ़ाई पूरी भी नहीं हुई थी कि खेलने-कूदने की उम्र में माता-पिता ने मात्र 14 वर्ष की आयु में हाथ पीले कर दिए। 19 वर्ष की उम्र में तीन बेटियों की मां बन गईं और शादी के चार साल बाद ही पति ने भी छोड़ दिया। लेकिन जीने की जज्बे और कुछ कर दिखाने की चाह में हिम्मत नहीं हारी और दिन-रात मेहनत कर तीनों बेटियों की बढ़िया परवरिश की। उन्हें काबिल बनाया और आज खुद अपने बिजनेस से एक लाख रुपये महीना कमा रही हैं।

हम बात कर रहे हैं पश्चिम बंगाल के रायगंज जिले की निवासी ममता घोष की। 39 वर्ष की आयु में ममता जीवन के कई रंग देख चुकी हैं। उन्हें अपने त्याग-समर्पण और मेहनत से खुद के बलबूते नेटवर्क मार्केटिंग में इतिहास रचते हुए नारी शक्ति की मिसाल बन गई हैं। आज ममता से प्रेरणा लेकर सैकड़ों महिलाएं अपने जीवन को नई दिशा दे रही हैं। यह सब संभव हुआ ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा सिखाए जा रहे राजयोग मेडिटेशन से। ममता बताती हैं कि राजयोग मेडिटेशन सीखने के बाद मैं आत्म विश्वास से भर गई। मुश्किलों में अवसर दिखाई देने लगे। परमात्मा की मदद से जीवन की तमाम मुश्किले सहज से पार करती गई और आज पूरे जिले में लोग सम्मान के साथ मेरा नाम लेते हैं। शिव आमंत्रण से बातचीत में उन्होंने अपने जीवन के कड़े अनुभव और संघर्ष के पलों को सांझा किया। ममता के ही शब्दों में उनकी जीवनगाथा.....

मैं आठवीं कक्षा में पढ़ रही थी कि मेरे पिताजी ने मेरे हाथ पीले कर दिए। ससुराल पहुंची तो पता चला पति शराबी है। जैसे-तैसे शादी के तीन साल गुजरे। इस दौरान तीन बेटियों को जन्म दिया। पति शराब पीकर आता और रोज मारपीट करता। प्रताड़ना दिनोंदिन बढ़ती जा रही थी। इसी बीच उसने दूसरी शादी कर ली और मुझे छोड़ दिया। सहानुभूति दिखाते हुए मेरे सास-ससुर ने मुझे दो साल तक सहयोग किया। वह भी बेटे की हरकतों और नशे की लत से परेशान हो चुके थे। इस दौरान मैंने मेहनत-मजदूरी करके जैसे-तैसे बच्चों को पाला। फिर मैंने 10-15 हजार रुपये का इंतजाम करके मैंने कपड़े का काम शुरू किया और सिलाई भी करने लगी। इस काम में बमुश्किल दो वक्त की रोटी ही जुटा पा रही थी। बच्चों को अच्छे स्कूल और ट्यूशन भी नहीं पढ़ा पा रही थी। यह जीवन के सबसे संघर्ष के दिन गुजर रहे थे। ऐसे में मेरे अपनों ने भी साथ छोड़ दिया। कहीं से भी आर्थिक मदद नहीं मिल सकी। संघर्ष के बाद भी मेरा भगवान पर निश्चय कम नहीं हुआ। मेरी एक सहेली है जिसे मैं रोज अपनी दु:ख की कहानी बताती थी। उसके पास एक घण्टा जाकर रोती थी। एक दिन मैंने उससे कहा कि इतना दु:ख-तकलीफ और कितना दिन भगवान हमको देगा। कितना दिन मुझको झेलना पड़ेगा-यह बोलकर मैं रोने लगी। जब से तलाक हुआ तब से मैं पूजापाठ के साथ उपवास भी बहुत करती थी। साथ में बेटियों को भी बचपन से ही पूजा-पाठ, उपासना के संस्कार दिए।

इस पर मेरी सहेली एक दिन मुझे ब्रह्माकुमारी सेंटर लेकर गई। उस दौरान वहां बीके प्रो. स्वामीनाथन भाई का प्रोग्राम चल रहा था। उनकी क्लास सुनने के बाद मुझे काफी शांति मिली। इसके बाद मैंने सात दिन का राजयोग मेडिटेशन कोर्स किया। तीसरा दिन तक ज्ञान लेने के बाद मुझे सब कुछ क्लीयर होने लगा कि मेरे साथ इतना कुछ क्या हो रहा है? तो मैंने सोचा कि मैं अकेले ज्ञान लेकर प्राप्ति नहीं कर पाएंगे तो मेरी तीनों बेटियों को भी चाहिए। मैं तीनों बेटी को लेकर ज्ञान दिलवायी। जैसे-जैसे ज्ञान के गुह्य रहस्यों को जानती गई तो मेरी चिंता, परेशानी कम होने लगी। अब मैं पहले से ज्यादा खुश रहने लगी। खुद के भाग्य को कोसना बंद कर दिया। साथ ही रोज ब्रह्ममुहूर्त में उठकर राजयोग मेडिटेशन करना शुरू किया। यहीं से मेरी जिंदगी में बदलाव की नई कहानी शुरू हुई।

जैसे- जैसे राजयोग का अभ्यास बढ़ता गया तो मेरी आत्म विश्वास भी बढ़ता गया। अब मैं अपने जीवन के कड़े अनुभवों को भूलकर दिन-रात परमात्मा के चिंतन-मनन में लगी रहती। यह ज्ञान लेने के बाद अमृतवेला जो बात मैं परमात्मा से करती बाबा से जो संकल्प किए वह सब संकल्प पूरे होते गए।

आज भी मैं अलसुबह 3.30 से 4 बजे नहा-धोकर अमृतवेला करने बैठ जाती हूं। मेरे पास कोई डिग्री नहीं है, हाई स्कूल पास हूं! फिर भी हाई रैंक की पोस्ट का जॉब कर रही हूं, यह सब शिव बाबा का कमाल है। जब एक साल बाद मैं पहली बार माउंट आबू आयी तो बाबा के कमरा में बैठ कर बाबा से मैंने एक ही संकल्प किए कि- बाबा मेरे पास काम नहीं है और जो काम करते हैं उसमें सिर्फ पेट भरता है, गुजारा तो हो जाता है पेट भरके। आगे के लिए कुछ बचे, ये जो बच्चे आपने दिए हैं वो तो आपही के बच्चे हैं! जिनको मैं निमित्त बनकर पाल पोस रहीं हूं। अब इनको कैसे बड़ा बनावें, कैसे अच्छा शिक्षा दें। पैसा भी तो नहीं है, इन्हें अच्छे स्कूल में कैसे डालें। मुझे तो कुछ नहीं चाहिए उनके लिए एक जॉब चाहिए। बाबा के कमरे बैठकर अमृतवेले के बाद खूब रोई। बाबा से कहा मैं मेरे को तो एक जॉब चाहिए लेकिन मैं तो पढ़ी-लिखी नहीं हूं, मेरे पास कोई डिग्री भी नहीं है। यहां तीन-चार दिन रुकने के बाद मैं जब ट्रेन में चढ़ने वाली थी तो उस टाइम मुझे फोन आया एक जॉब के लिए, मैं अभी घर भी नहीं पहुंची थी। यह बात सन् 2013 का है। फोन पर ही सामने वाले ने कहा कि आप इंटरव्यू दे सकती हैं बैंक में काम करना होगा। मैंने उन ऑफिसर को कहा कि मैं तो पढ़ी-लिखी नहीं हूं तो काम कैसे कर सकती हूं? क्या आप मुझे डिग्री के बिना लेंगे। उन्होंने कहा कि आपको फिल्ड देखना है। मुझे इंटरव्यू देने के लिए कलकत्ता बुलाया गया। मैं घर गयी और दो-तीन दिन बाद मुझे जॉब मिल गया। वहां मैंने चार साल तक जॉब की। वहां मुझको एनजीओ के तहत जॉब मिला था। बाबा ने तो चमत्कार कर दिया! मैं तो जॉब के लायक ही नहीं थी फिर भी बाबा कमाल हो गया। सब आयुर्वेद की कम्पनी में काम कैसे किया जाता है वह समझा। उधर बैंक में दो डिस्ट्रीक्ट क्वार्डिनेटर को मिलाकर मुझे काम करने को मिला था। जॉब के बाद मैंने मकान भी ले लिया। इसके बाद मैंने आयुर्वेद कंपनी की दवाइयों की मार्केटिंग करने लगी। परमात्मा की मदद, कठिन मेहनत और लगन के चलते आज मैं एक लाख रुपये महीना कमा रही हूं। खुद की मेहनत से अच्छा मकान बनवा लिया है। कार चलाना भी सीख लिया है। वर्ष 2017 में मेरा ट्रक से एक्सीडेंट हो गया इस पर डॉक्टर ने पूरा चार महिना बेड रेस्ट दे दिया था। तब भी मैं नहीं रोई। ये तो हिसाब-किताब है जो चुकु होना था इसी जन्म में। मुझे जो देखने आया वो भी रो पड़ा, मैं तो मुस्करा रही थी। सभी ने मेरा हौसला देखकर तारीफ की। आज भी मेरे सेंटर में चर्चा होता है जब भी मैं सेंटर में जाती हूं और कोई नया भाई बहन आता है तो ये अनुभव उनको सुनाया जाता है।

बेटे की भी कमी हो गई दूर

मैं अक्सर शिव बाबा से कहती थी कि बाबा आपकी तीन बच्चियां हैं एक बेटा और चाहिए। परमात्मा के कमाल से एक अनाथ बेटा भी मिला गया। वह मुझे जब मां कहकर पुकारता है तो दिल गदगद हो जाता है। बड़ी बेटी 24 साल और मजली बेटी 19 साल दोनों टीवी चैनल में काम करती हैं। साथ ही मजली बेटी साइकोलॉजी से पढ़ाई भी कर रही है। छोटी वाली 17 साल की है।

पृष्ठ 1 का शेष ➤

शांति का टापू बना 'ओम शांति रिट्रीट सेंटर'

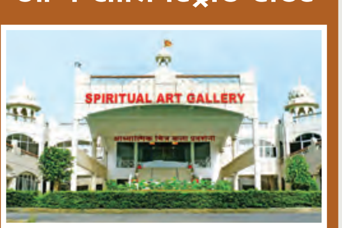

ट्रेनिंग सेंटर में सात हॉल और एक मिनी हॉल: ओआरसी में 365 दिन समाज के विभिन्न वर्ग के लिए सभा, सम्मेलन, वर्कशॉप का आयोजन ट्रेनिंग सेंटर में मौजूद सात सेमीनार हॉल में चलता रहता है। साथ ही इसमें एक मिनी हॉल भी है जिसकी क्षमता 400 लोगों की है।

भवनों के नाम मोह लेते हैं मन: ओआरसी में बने भवनों के सुंदर नाम बरबस ही सभी का मन मोह लेते हैं। परिवार नाम से बने भवन में जहां समर्पित ब्रह्माकुमारी बहनें निवास करती हैं। वहीं शांतिकुंज, हैप्पीहोम, निर्मल कुंज, खुशनसीब और पीस पैलेस भवन आंगतुकों के लिए विशेष सुविधाओं का ध्यान रखते हुए बनाए गए हैं। सबसे बड़ी विशेषता है यहां की स्वच्छता।

मोर की सुंदर आवाज के साथ होती है सुबह की शुरुआत : पूरे परिसर में करीब 25 से अधिक राष्ट्रीय पक्षी मोर को विचरण करते हुए आप आसानी से देख सकते हैं। मोर जब मधुर गान के साथ पंख फैलाकर नाचती हैं तो यह दृश्य देखते ही बनता है। यहां आने वाला हर कोई मोर की सुंदर छवियां अपने कैमरे में कैद करना नहीं भूलता है।

भाई-बहनों की आध्यात्मिक उन्नति के लिए स्थापित की लाइब्रेरी : परिसर में ही विशाल लाइब्रेरी की भी स्थापना की गई है। इसका मकसद समर्पित निवासी भाई-बहनों की आध्यात्मिक उन्नति करना है। इसमें तीन हजार से अधिक मोटिवेशनल, धार्मिक और आध्यात्मिक पुस्तकें मौजूद हैं। अपनी व्यस्त दिनचर्या में से समय निकालकर भाई-बहनें नियमित अध्ययन करते हैं।

आम से लेकर अंगूर के पौधे बड़ा रहे शोभा : परिसर को हरा-भरा और सुंदर बनाने के लिए विशेष रूप से आम, संतरा, चीकू, नींबू, अंगूर, अनार आदि के पेड़ भी लगाए गए हैं जो ओआरसी की सुंदरता को चार-चांद लगा देते हैं। साथ ही कई वैराइटी के सुंदर फूल भी भवनों के चारों ओर लगाए गए हैं।

राजकोट राजनगर सेवाकेंद्र पर डॉक्टर्स के लिए कार्यक्रम आयोजित

जीवन की सर्वश्रेष्ठ औषधि है खुशी

» शिव आमंत्रण, राजकोट गुजरात। राजनगर सेवाकेंद्र की ओर से आयोजित डॉक्टर्स प्रोग्राम में निकला निष्कर्ष से बिजी शेडयूल में भी करीब 50 डॉक्टर्स ने फेमिली के साथ हेप कैफे में लाभ लिया। एक नए तरीके से आयोजित कैफे में करीब एक घंटा आपस में छोटे-छोटे ग्रुप बनाकर सभी ने ज्ञान चर्चा की। जिसमें आंतरिक बीमारी जैसे कि क्रोध, ईर्ष्या, तुलना, जल्दबाजी आदि का डायग्नोस कैसे करे? उसका सोल्यूसन क्या है? और इस तरह की समस्या में राजयोग कैसे मददगार है। इस तरह के चर्चे पर सभी ने अपने सुंदर विचार रखे। कार्यक्रम में अंत में सबने वेल्यू गेम के साथ कसरत का भी आनंद लिया और गहन राजयोग मेडीटेशन से सभी को रिलेक्स की अनुभूति कराई गई। तथा प्रभुप्रसाद के साथ आदरणीय भारती दीदी ने सभी को ईश्वरीय सौगात एवं ब्लेसिंग वरदान कार्ड से सम्मानित किया।

यहां स्वस्थ मन, व्यसनमुक्त जीवन बनाया जा रहा है: मंत्री

» शिव आमंत्रण, बहल/हरियाणा। सूबे के कृषि एवं पशु पालन मंत्री श्री जयप्रकाश दलाल जी के पधारने पर बहल सेवाकेंद्र प्रभारी राजयोगिनी बीके शकुन्तला व ढिगावा मंडी सेवाकेंद्र प्रभारी बीके पूनम ने मुलाकात की। बीके शकुन्तला ने मंत्री जी को गुरुग्राम स्थित ओमशान्ति रिट्रीट सेंटर में आगे होने वाले राष्ट्रीय अभियान' आत्मनिर्भर किसान अभियान' के शुभारम्भ का निमंत्रण दिया। उन्हें ईश्वरीय साहित्य व प्रसाद भी भेंट किया गया, जिसे मंत्री जी ने बहुत प्रेम व खुशी से स्वीकार किया। ब्रह्माकुमारीज के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग द्वारा पूरे देश मे 1000 'आत्म निर्भर किसान अभियान' निकाले जाएंगे। इन अभियानों के माध्यम से 12000 अभियान यात्री भारत के 1,00,000 गांवों में किसानों को आत्मनिर्भरता के लिए जागरूक करेंगे।

भोपाल में युवाओं ने सीखे मूल्यनिष्ठ पत्रकारिता के गुर

» शिव आमंत्रण, साकेत नगर/भोपाल/मप्र। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के साकेत नगर सेवाकेंद्र पर दो दिवसीय मीडिया प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें वरिष्ठ पत्रकारों ने युवाओं को मूल्यनिष्ठ और सकारात्मक पत्रकारिता की बारीकियों से रुबरु कराया। साथ ही प्रेक्टिकल में कैमरा हेंडलिंग, फोटोग्राफी, वीडियो शूटिंग सहित समाचार लेखन की तकनीक और संपादन कला की मूलभूत बातें बताई। कार्यशाला में शिव आमंत्रण के संयुक्त संपादक बीके पुष्पेंद्र, भोपाल के वरिष्ठ पत्रकार अनुज शर्मा और संदीप नायक ने पत्रकारिता के मूलभूत सिद्धांतों, जनसंपर्क का महत्व, समाचार लेखन की तकनीक, समाचार लेखन के मूलभूत तत्व आदि बातों को लेकर गहराई से प्रकाश डाला। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके अंजू ने कहा कि प्रशिक्षण से भाई-बहनों की मूल्यनिष्ठ पत्रकारिता की समझ विकसित हुई। इस मौके पर बीके सुरेंद्र, अरुणेन्द्र सहित दर्जनभर युवा भाई-बहन मौजूद रहे।

दस दिवसीय मोटर बाइक यात्रा निकालकर दिया जन-जन को परमात्म संदेश

» शिव आमंत्रण, इंदौर/मप्र। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के प्रेमनगर सेवाकेंद्र द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर परियोजना के अंतर्गत-दस दिवसीय-'सुरक्षित भारत सड़क सुरक्षा मोटर साइकिल यात्रा' रैली एवं समापन समारोह का आयोजन किया गया। दस दिवसीय मोटर बाइक रैली इंदौर ज्ञानशिखर, जोन मुख्यालय से आरम्भ हुई एवं इंदौर प्रेमनगर सेवाकेंद्र के स्वामी प्रीतमदास सभाग्रह में समाप्त हुई। मोटर बाइक रैली द्वारा 3000 से अधिक लोग लाभान्वित हुए। इस रैली की शुरुआत सोनी गार्डन, बिजलपुर इंदौर से हुई जहां पर मुख्य अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर रैली का शुभारंभ किया एवं जन-जन तक इस शुभ सन्देश को पहुंचाने के लिए ब्रह्माकुमारीज संस्था का धन्यवाद किया। साथ ही मोटर बाइक रैली का लक्ष्य एवं उद्देश्य बीके छाया (प्रभारी, इंदौर रामबाग मुख्य सेवाकेंद्र) ने दिया तथा अन्य उपस्थित अतिथि थे-कैलाश सोनी (मालिक सोनी गार्डन), बाबूलाल पटेल (अध्यक्ष, खादी समाज बिजलपुर), राधेश्याम बागवाला (अध्यक्ष, मप्र. खादी समाज), बद्री चौधरी(मेनेजर, इंदौर सहकारी बैंक) का सम्मान शील्ड द्वारा किया गया। बीके अनीता (जोनल कोऑर्डिनेटर, ट्रांसपोर्ट एवं ट्रेवल विंग), बीके जयंती (प्रभारी, इंदौर कॉलानी नगर मुख्य सेवाकेंद्र), बीके शशी (जोनल कोऑर्डिनेटर, एजुकेशन विंग एवं प्रभारी इंदौर प्रेमनगर मुख्य सेवाकेंद्र), बीके कुसुम (प्रभारी इंदौर छावनी सेवाकेंद्र) बीके यश्वनी (प्रभारी, इंदौर बिजलपुर उप सेवाकेंद्र)।

मुस्लिम भाई-बहनों को खाद्य सामग्री भेंटकर दिया ईश्वरीय संदेश

» शिव आमंत्रण, नरकटियागंज (पश्चिम चंपारण) बिहार। नगर के पंडई चौक स्थित ब्रह्माकुमारीज वरदानी भवन सेंटर में रमजान के पवित्र माह में अलवेदा नमाज के अवसर पर जरूरतमंद मुस्लिम भाई-बहनों के बीच आवश्यक सामग्री का वितरण सेवा केंद्र प्रभारी वरिष्ठ राजयोगिनी बीके अबीता के द्वारा किया गया। सामग्रियों में गमछा, छाता, साड़ी एवं अनावश्यक भोज्य पदार्थ दिया गया। अवसर पर सेवाकेंद्र प्रभारी ने अपने संबोधन में कहा कि रमजान माह को पवित्र माह माना जाता है। मुस्लिम भाई बहनों का मुख्य पर्व ईद है।

कलेक्ट्रेट सभागार में शांति, प्रेम, सौहार्द बनाए रखने के लिए बहनों ने दिया मंत्र

» शिव आमंत्रण, हाथरस/उप्र। जनपद में शांति प्रेम सौहार्द बनाए रखने के लिए जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी रमेश रंजन की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक विकास कुमार वैद्य और अपर जिलाधिकारी की उपस्थिति में एक बैठक हुई जिसमें अनेकानेक धर्म गुरुओं को भी आमंत्रित किया गया। उनमें से ब्रह्माकुमारीज को भी विशेष आमंत्रण प्राप्त हुआ। सभी धर्मों के अनुयायियों की उपस्थिति में जिला अधिकारी रमेश रंजन ने समाज के प्रति अपने दायित्वों को निभाने के लिए शपथ ग्रहण कराई।

ज्ञान की रसधारा श्रीमद् भागवत कथा के आध्यात्मिक रहस्य पर प्रवचन

बहती परमात्म ज्ञान की रसधारा में रोज स्नान करें: बीके कंचन

कथा करती हुई बीके कंचन। विधायक श्रेयसी सिंह एवं बाल कलाकार और मौजूद भीड़।

शिव आमंत्रण, गिद्धौर/जमुई बिहार। गिद्धौर स्थित पंचमंदिर के प्रांगण में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आध्यात्मिक रहस्य से जुड़े आध्यात्मिक परिचर्चा का आयोजन कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम से किया गया। वहीं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में जमुई के एमएलए श्रेयसी सिंह, एसडीओ अभय कुमार तिवारी, जिप सदस्य अनिता देवी व युवा उधमी बंदी सिंह ने मुख्य रूप से भाग लिया। मौके पर एमएलए श्रेयसी और एसडीओ अभय कुमार तिवारी अपने विचार रखते हुए कहा कि सत्संग से जुड़े रहने से ही हमारे विचारों का शुद्धिकरण होता है, सनातन संस्कृति में कथाओं की जो परंपरा है इन सात दिनों में जीवन में ज्ञान का महत्व इसका वर्णन कथाकारों द्वारा कराया जाता है। समाज के साथ अपने जीवन में परिवर्तन लाने के लिये भागवत कथा में जीवन का सार छुपा है। इस कथा के रहस्यों से श्रद्धालु भक्तों को अवगत कराने के लिए अध्यात्म के क्षेत्र के चार कलाकार पहला चित्रकार, दूसरा कलाकार, तीसरा कथाकार और चौथा पत्रकार हैं। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं से इस भागवत कथा में बताए गए सतकर्म के मार्गों पर चलने की लोगों से अपील की। बताते चलें कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय जमुई के गिद्धौर शाखा द्वारा आयोजित इस धार्मिक कथा का वाचन प्रख्यात कथा वाचिका राजयोगिनी बीके कंचन दीदी एवं सुखदेव महाराज द्वारा कथा वाचन का कार्य किया जा रहा। इस आध्यात्मिक कथा में राजयोगिनी बीके कंचन दीदी द्वारा आध्यात्मिक बल, खुशी, आनंद, सम्पूर्ण निरोगी काया, जीवन जीने का लक्ष्य, संबंधों में मधुरता, सकारात्मक सोच, मनोबल विकास आदि आध्यात्मिक महत्व से जुड़े विषयों पर कथा वाचन कर लोगों को श्रीमद भागवत कथा के जीवन में महत्व को मानवीय जीवन में समाहित करने का सार्थक प्रयास किया जा रहा है।

उड़ीसा के राज्यपाल को दिया ईश्वरीय संदेश

शिव आमंत्रण, भादरा/राज.। उड़ीसा के राज्यपाल गणेश लाल अग्रवाल से ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र की ओर से बीके चंद्रकांता, बीके कुसुम, बीके भगवती और चंपालाल ने मुलाकात कर संदेश दिया।

रामनवमी पर लोगों को दिया परमात्म संदेश

शिव आमंत्रण, ठाणे वेस्ट/महाराष्ट्र। राम नवमी के उत्सव अवसर पर श्री रामजी देवस्थान, आपटा मंदिर जिसको 149 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं, वहां ब्रह्माकुमारीज के ठाणे नौपाडा की ओर से परमात्म ज्ञान प्रदर्शनी लगाकर परमात्मा का एवं राजयोग मेडीटेशन के बारे में जानकारी दी गई। इस प्रदर्शनी से1000 लोगों तक ईश्वरीय सन्देश पहुँचाया गया तथा पूरी सभा में बीके रेखा ने सभी भक्तों को आत्मा एवं परमात्मा का परिचय के साथ रामनवमी की शुभेच्छा प्रदान की। मंदिर के ट्रस्टी तथा पुजारियों का सम्मान कर सौगात भी दी। मंदिर के तरफ से भी सभी बीके भाई-बहनों को स्मृति चिन्ह, शॉल और श्री फल देकर सम्मान किया गया।

आपका खुश रहना और मुस्कुराना स्वत: ही समाज सेवा करेगा

शिव आमंत्रण, अजमेर/राजस्थान। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय केकड़ी सेवाकेंद्र एवं समाज सेवा प्रभाग द्वारा मानवता के संरक्षण समाजसेवी कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह महोत्सव का आयोजन तुलसी मैरिज गार्डन रिसोर्ट में किया गया। अजमेर से पधारी हुई अजमेर संभाग संचालिका आदरणीय राजयोगिनी बीके शांता दीदी जी जो विगत 65 वर्षों से ईश्वरीय ज्ञान में समर्पित होकर के विश्व सेवा में अग्रसर हैं। जिन्होंने भी 7 दिन का कोर्स नहीं किया है वह सेवाकेंद्र पर आकर के ब्रह्माकुमारीज द्वारा दिए जा रहे निःशुल्क 7 दिन के कोर्स को करके राजयोग की विधि को अपने जीवन में धारण कर अपने जीवन को एक नई दिशा प्रदान करें। माउंट आबू से पधारे हुए बीके वीरेंद्र जो कि ब्रह्माकुमारीज समाज सेवा प्रभाग के सक्रिय कार्यकर्ता हैं उन्होंने समाज सेवा प्रभाग द्वारा चल रही सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बीके कीर्ति ने बताया कि सदा खुश रहें और मुस्कुराते रहे आपका खुश रहना और मुस्कुराना ही स्वतः सेवा करेगा। प्रकाश भाई ने तनाव मुक्त जीवन शैली के बारे में टिप्स बताएं, केकड़ी सेवाकेंद्र संचालिका बीके कविता बहन राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास करवाया अजमेर से पधारी हुई बीके संचिता ने ब्रह्माकुमारीज संस्था का परिचय दिया। रावतभाटा सेवा केंद्र संचालिका बीके अंकिता बहन ने मंच संचालन किया। इस दौरान काजल बहन, रिंकी बहन,सरवाड़ सेवाकेंद्र संचालिका बीके कोमल, केकड़ी की मनभर मौजूद रहीं।

ज्यादा व्यस्तता से खुद और खुदा को भूलते जा रहे हैं लोग: बीके आदर्श

शिव आमंत्रण, ग्वालियर/मप्र। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के महिला प्रभाग द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। लश्कर ग्वालियर की इंचार्ज बीके आदर्श ने बताया कि आज हम देखते है की जीवन में खुशी गुम होने का सबसे बड़ा कारण है व्यस्ताओं के चलते हम सभी स्वयं को और उस सर्वशक्तिमान परमात्मा को भूल चुके हैं और यह सब भूलने के कारण ही हम दुःखी हो जाते हैं क्योंकि दुनिया में हमारा सबके साथ बहुत अच्छा कनेक्शन है लेकिन उस सर्वशक्तिमान से कनेक्शन टूटा हुआ है। जीवन में खुश और सकारात्मक रहने के लिए तीन चीजों की जानकारी होना अति आवश्यक है। 1-मैं कौन? 2-मुझे यहाँ किसने भेजा है? 3- मेरा उस परमात्मा के साथ कनेक्शन क्या है ? माउंट आबू मुख्यालय से पधारे हुए बीके वीरेंद्र ने कहा कि समाज में सेवा करने की सही विधि तभी संभव होगी जब उसमें आध्यात्मिकता का परिवेश होगा। साथ में हम नैतिक मूल्यों की शिक्षा भी दें जिससे लोगों का जीवन परिवर्तन हो, समाज सेवा के साथ-साथ दुआओं की संपत्ति भी हम कमाएं तभी सच्ची समाज सेवा होगी। बीके कीर्ति ने बताया कि सदा खुश रहें और मुस्कुराते रहे आपका खुश रहना और मुस्कुराना ही स्वतः सेवा करेगा। अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय से पधारे हुए मीडिया प्रभाग के प्रकाश भाई ने तनाव मुक्त जीवन शैली के बारे में टिप्स बताएं।

जेल से जन्नत जेल सुधार गृह में ज्ञान देकर सिखाया मेडिटेशन

जेल को सुधारगृह समझकर बंदी जीवन में परिवर्तन लाएं: बीके पुष्पा

इस्लामपुर कारागार में बीके भगवान तथा बीके बहनों द्वारा परमात्म ज्ञान शिक्षा देने के पश्चात जेल अधीक्षक सुदीप से मिलते हुए।

{ अपराधमुक्त जीवन और व्यवहार शुद्धि विषय पर बंदियों को किया संबोधित

» **शिव आमंत्रण, इस्लामपुर (पश्चिम बंगाल)।** उप-कारागार में अपराधमुक्त जीवन और व्यवहार शुद्धि विषय पर प्रोग्राम रखा गया। कार्यक्रम ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र इस्लामपुर (पश्चिम बंगाल) के द्वारा हुआ। जहां मुख्य वक्ता बीके भगवान माउंट आबू से पधार कर कहा कि मनुष्य जन्म से अपराधी नहीं होता। गलत संगत, नशा, सिनेमा और क्रोध अपराध कराता है। अपराध मुक्त बनने के लिए खुद की गलतियों को महसूस करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि कर्म ही मनुष्य को अच्छा और बुरा बनाता है। आगे उन्होंने कहा कि जेल को सुधार गृह मानकर अर्थात् परिवर्तन का केंद्र मानकर अपनी गलतियों को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। यह मानव जीवन अमूल्य है। इसलिए इंद्रियों को संयमित कर हम अपने जीवन को अपराधमुक्त कर सकते हैं। व्यक्ति को अपने अंदर देखकर जीवन के उद्देश्य की पहचान करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि जीवन की हर घटना के पीछे कुछ न कुछ कल्याण होता है। मनुष्य को अपना मन प्रभुचिंतन में लगाना चाहिए। व्यक्ति को जो हो रहा है वह अच्छा हो रहा है जैसी सोच रखनी चाहिए। बीके पुष्पा ने कहा कि मनुष्य को कभी भी अपने उद्देश्य से भटकना नहीं चाहिए। जब तक मनुष्य अपने आपको नहीं पहचान लेता, तब तक वह भटकता रहता है। मनुष्य अपनी इंद्रियों को वश में करके ही सही मार्ग पर चल सकता है। जेल अधीक्षक सुदीप दास ने कहा कि व्यक्ति क्रोध से आंतरिक रूप से अकेला, बेसहारा, कमजोर, अपमान जनक महसूस करता है। इस दौरान बीके रिंकू ने भी विचार व्यक्त किए।

खुदीराम बोस केंद्रीय कारागार में 500 कैदियों ने सीखा राजयोग

» **शिव आमंत्रण, मुजफ्फरपुर/बिहार।** मुजफ्फरपुर के खुदीराम बोस केन्द्रीय कारावास में तीन दिवसीय आत्म चिंतन शिविर रखकर कैदियों को राजयोग सीखाया गया। जिसमें लगभग पांच सौ क़ैदी भाई-बहनों ने बहुत ही उमंग-उत्साह से भाग लिया और अपने जीवन में परिवर्तन का लक्ष्य लेते हुए, नशा से मुक्त होने का भी संकल्प किया। इस प्रोग्राम का पूरा संचालन प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय अमगोला मुजफ्फरपुर सेवाकेन्द्र द्वारा आकर बीके पिंकी, बीके पूनम, बीके अरविंद, बीके भास्कर एवं बीके सोभकांत ने किया। जहां श्री रामेश्वर रावत (सहायक जेलर) और उनके साथ अन्य पदाधिकारी ने पूरा योगदान दिया। आगे भी हर महीने इस तरह का कार्यक्रम जेल प्रांगण में किया जाएगा।

बीके सुंदरलाल की प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजली कार्यक्रम आयोजित

» **शिव आमंत्रण, हरिनगर/नई दिल्ली।** राजयोगी स्वर्गीय बीके सुंदरलाल जी के प्रथम पुण्य तिथि पर प्रसिद्ध वरिष्ठ पत्रकार डॉक्टर वेद प्रताप वैदिक, भारतीय नौ सेना के डेप्युटी चीफ ऑफ़ स्टॉफ वाइस ऐडमिरल सतीश घोड़मडे, दक्षिण पश्चिमी दिल्ली के पूर्व मेयर नरेंद्र चावला, ऑल जोन टाइम्स के मुख्य संपादक आशीष जैन, माउंट आबू से पधारे ब्रह्माकुमारीज संस्थान के शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष बीके मृत्युंजय, राजयोगिनी बीके शुक्ला, राजयोगिनी बीके पुष्पा, राजयोगिनी बीके गीता इत्यादि ने पहुंचकर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

बाल सुधार गृह में 110 बच्चों को सशक्त बनाने के लिए दो दिवसीय कार्यशाला हुई

» **शिव आमंत्रण, राउरकेला/उड़ीसा।** 75 वीं आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर... की कड़ी में बच्चों को सशक्त बनाने की दिशा में बीके राजीव ने छेंड स्थित ऑब्जरवेशन एंड स्पेशल होम (बाल सुधार गृह) राउरकेला में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। पहली कार्यशाला में बच्चों को राजयोग की शिक्षा से अवगत कराते हुए बताया कि हम सभी परमधाम निवासी, निराकार ज्योति शिव पिता परमात्मा की अजर, अमर, अविनाशी संतान देह से न्यारी ज्योति स्वरूप आत्मा हैं और इस विश्व के विशाल रंगमंच पर देह रूपी चोला धारण कर पार्ट बजा रहे हैं। दूसरी कार्यशाला में नशीले पदार्थों की विस्तृत जानकारी दी गई। नशे की शुरुआत 10 से 25 साल की उम्र के भीतर में ही शुरू होती है। कार्यशाला 110 छात्रों के लिए रखी गई। प्रकाश चंद्र त्रिपाठी, शिक्षक तथा शैक्षणिक परामर्शदाता और सुपरिन्टेन्डेन्ट महोदय सोमनाथ हंसदा, ऑब्जर्वेशन होम, राउरकेला ने सफल बनाया।

मीडिया सेमीनार: अपनी लेखनी से समाज में सकारात्मकता का माहौल बनाएं: डॉ.राव

» **शिव आमंत्रण, केसली/सागर/मप्र।** ग्रामीण पत्रकारिता आज भी मूल समस्याओं तक नहीं पहुंची है। पुरानी रूढ़िवादी परंपराओं से हम अभी भी उबर नहीं पाए हैं। आज ग्रामीण विकास की समस्याओं पर फोकस करने की जरूरत है। पत्रकारों पर समाज को सकारात्मक दिशा देने की महती जिम्मेदारी है, जिसका निर्वहन हमें करना होगा। उक्त उदगार मुख्य अतिथि डॉ. हरिसिंह गौर विश्वद्यालय के प्रोफेसर व आईटी एक्सपर्ट डॉ. के. कृष्णा राव ने व्यक्त किए। मौका था ब्रह्माकुमारीज संस्थान के केसली सेवाकेन्द्र और मीडिया विंग की ओर से आयोजित मीडिया सेमिनार का। आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर अभियान के तहत समाधानपरक पत्रकारिता से समृद्ध भारत की ओर विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता इंक मीडिया इंस्टीट्यूट ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन के डायरेक्टर डॉ. आशीष द्विवेदी, कवि, लेखक अम्बिका यादव, वरिष्ठ पत्रकार दीपेंद्र तिवारी, बीके आशीष, बीके अनुराधा, मोटिवेशनल लेखक पुष्पेंद्र साहू, सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके संध्या, विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष सुधीर भाई ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

संपादकीय

पर्यावरण मन का हो या बाहर का सुधारना जरूरी

जून महीना पर्यावरण और मन के पर्यावरण दोनों ही लिहाज से अहम है। 5 जून को पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। पर्यावरण दिवस पर पेड़ पौधे लगाये जाते हैं। इनकी रक्षा की जाती है ताकि हमारे जीवन की ऑक्सीजन हमें मिलती रहे। इसके साथ ही बारिश के साथ तमाम प्राकृतिक संसाधन प्राप्त होते हैं। ये तो रहा बाहरी पर्यावरण का। परन्तु आन्तरिक पर्यावरण अर्थात् मन के पर्यावरण का। इसपर कोई ध्यान नहीं देता है। जबकि इसका भुगतान व्यक्ति को खुद ही करना पड़ता है। इसका नतीजा तनाव, डिप्रेसन, चिंता, दुख तेजी से बढ़ रहा है। इसकी दवा ना तो चिकित्सकों के पास है और ना वैद्य के पास। इसके लिए तो मन को सकारात्मकता की जरूरत होती है। यही इसकी दवा है। इसके लिए प्रतिदिन ज्ञान, ध्यान, राजयोग, व्यायाम, सकारात्मक सोच, सकारात्मक माहौल आदि की जरूरत होती है। इसी से ही हमारे मन का पर्यावरण ठीक होगा और इसका सीधा असर परिवार और समाज पर पड़ेगा। आज व्यक्ति के मन का पर्यावरण ठीक ना होने से उसकी मनोवृत्तियां तेजी से बदल रही है। वह आसुरी प्रवृत्ति की ओर बढ़ रहा है। इसलिए समाज में तमाम तरह की घटनायें हो रही हैं। इसलिए समाज और परिवार को सेफ रखना है तो उसके लिए मन का पर्यावरण ठीक रखना होगा। इसके लिए राजयोग ध्यान करने की आवश्यकता है। जून महीने में आने वाला योग दिवस भी इसके लिए खास है।

परमात्म ज्ञान आत्मा के अंदर एंटर करता है

मेरी कलम से...

मनीष सोनी
सीईओ जी अनमोल,
जी टीवी चैनल

हमारे सीरियल्स में तो ड्रामा होता है आप लोगों ने तो जिंदगी को ही ड्रामा बना दिया है।

मैं ब्रह्माकुमारीज का पीस ऑफ़ माइंड एवं अवेकनिंग टीवी काफ़ी दिन से देखता हूँ। मेरी बेटी, पत्नी भी इस संस्थान में पूरी तरह जुड़ी हुई हैं लेकिन मैं इस संस्थान के दिये जा रहे अनमोल ज्ञान के प्रति इतना सीरियसली अब तक नहीं था लेकिन जो अब महसूस मेडिटेशन अभ्यास के बाद कर रहा हूं वो केवल साक्षात ईश्वर के रूप में हो रहा है। आजू बाजू बराबर शांति ही शांति, लाइट ही लाइट का साक्षात्कार कर रहा हूं और ये पहली बार मेरे साथ शांतिवन आने के बाद हो रहा है। इस तरह का अनुभव मेरे साथ हमेशा रहेगा। ज़ी टीवी, ज़ी अनमोल और सारे स्वर्ण स्वर भारत कार्यक्रम

> आजू बाजू बराबर शांति ही शांति, लाइट ही लाइट का साक्षात्कार कर खुश हूं।

की तरफ़ से मैं ब्रह्माकुमारीज का बहुत शुक्रिया करता हूं कि इस पावन तपोभूमी बुलाकर आप लोगों ने जो हम पर उपकार किया है मेरे ख्याल से यही एक बहुत बड़ा मेरे लिए गिफ़्ट है। हम टीवी वाले लोगों का बाहरी एंटरटेनमेंट करते हैं और ब्रह्माकुमारीज आत्मा के अंदर जाकर एंटर करती है। सबको आत्म-परमात्म दर्शन करवाती है। यह कितनी बड़ी बात है। हमारे सीरियल्स में तो ड्रामा होता है आप लोगों ने तो जिंदगी को ही ड्रामा बना दिया है। मतलब इस सृष्टि रूपी ड्रामा में जो हो रहा है जो बीत चुका है वह ड्रामा में फिक्स है। नो टेंशन, केवल अपने वर्तमान संकल्प पर अटेंशन देकर अपना बेस्ट से बेस्ट कर्म कर अपना श्रेष्ठ पार्ट बजाना है ये मैंने आप लोगों से सीखा है। यहां आप लोग अपने दृष्टि से प्योर वाईब्रेशन के साथ आशीर्वाद देते रहते हो, मुस्कुराते रहते हो कितनी बड़ी बात है। हमारे सीरियल्स के बीच में 4-16 का मिनट का शोर मचाता हुआ ब्रेक आता है, लेकिन परमात्मा घर में हर घंटे आवाज़ बड़ी नहीं उसे छोटी कर साइलेंस ब्रेक देते हो। मन की अवाज़ को आप कम कर, जीरो कर ईश्वर से योग लगाते हो। यानी दिन में कितने बार आप लोग ईश्वर से योग लगा, सेवाएं करते रहते हो, यही आपकी साइलेंस शक्ति है। इस शक्ति से आप लोगों ने भगवान को ढूंढ़ ही लिया है और अपने आप को इंट्रोड्यूस भी करा लिया है। परमात्मा आपसे कहता है हेलो आत्माएं मैं शिव हूं।

बोध कथा/जीवन की सीख

लगातार अभ्यास से मंदबुद्धि जैसी कमजोरी पर भी पा सकते हैं जीत

एक बालक था विद्यालय में पढ़ता था। सब उसे मंदबुद्धि कहते थे। उसके गुरुजन भी उससे नाराज रहते थे क्योंकि वह पढ़ने में बहुत कमजोर था और उसकी बुद्धि का स्तर औसत से भी कम था। कक्षा में उसका प्रदर्शन हमेशा ही खराब रहता था। और बच्चे उसका मजाक उड़ाने से कभी नहीं चूकते थे। पढ़ने जाना तो मानो एक सजा के समान हो गया था, वह जैसे ही कक्षा में घुसता और बच्चे उस पर हंसने लगते, कोई उसे महामूर्ख तो कोई उसे बैलों का राजा कहता, यहां तक की कुछ अध्यापक भी उसका मजाक उड़ाने से बाज नहीं आते। इन सबसे परेशान होकर उसने स्कूल जाना ही छोड़ दिया। अब वह दिन भर इधर-उधर भटकता और अपना समय बर्बाद करता। एक दिन इसी तरह कहीं से जा रहा था, घूमते-घूमते उसे प्यास लग गयी। वह इधर-उधर पानी खोजने लगा। अंत में उसे एक कुआं दिखाई दिया। वह वहां गया और कुएं से पानी खींच कर अपनी प्यास बुझाई। अब वह काफी थक चुका था, इसलिए पानी पीने के बाद वहीं बैठ गया। तभी उसकी नज़र पत्थर पर पड़े उस निशान पर गई जिस पर बार-बार कुएं से पानी खींचने की वजह से रस्सी का निशान बन गया था। वह मन ही मन सोचने लगा कि जब बार-बार पानी खींचने से इतने कठोर पत्थर पर भी रस्सी का निशान पड़ सकता है तो लगातार मेहनत करने से मुझे भी विद्या आ सकती है। उसने यह बात मन में बैठा ली और फिर से विद्यालय जाना शुरू कर दिया। कुछ दिन तक लोग उसी तरह उसका मजाक उड़ाते रहे पर धीरे-धीरे उसकी लगन देखकर अध्यापकों ने भी उसे सहयोग करना शुरू कर दिया। उसने मन लगाकर अथक परिश्रम किया। कुछ सालों बाद यही विद्यार्थी प्रकांड विद्वान वरदराज के रूप में वियात हुआ, जिसने संस्कृत में मुग्धबोध और लघुसिद्धांत कौमुदी जैसे ग्रंथों की रचना की।

संदेश: इस कहानी का आशय यह है कि हम अपनी किसी भी कमजोरी पर जीत हासिल कर सकते हैं, बस ज़रुरत है कठिन परिश्रम और धैर्य के साथ अपने लक्ष्य के प्रति स्वयं को समर्पित करने की।

पवित्र भावना एवं विचारगत उच्चता द्वारा बेहतर जीवन

जीवन का मनोविज्ञान भाग - 47

डॉ. अजय शुक्ला
बिहेवियर साइंटिस्ट, गोल्ड मेडलिस्ट इंटरनेशनल
ह्यूमन राइट्स मिलेनियम अवार्ड डायरेक्टर
(स्प्रीचुअल रिसर्च स्टडी एंड एजुकेशनल ट्रेनिंग सेंटर, बंजारी, देवास, मप्र)

जीवन दर्शन के धर्म कर्म में उपराम स्थिति

चेतना से सर्व मानव आत्माओं को शांति प्रदान करने के नैसर्गिक संस्कार को विकसित करके लोक व्यवहार से आत्म तत्व द्वारा उच्चता ग्रहण करने की अवस्था का निर्माण करना भावनात्मक संतुष्टि का आधार है। स्वयं की आत्मिक स्मृति जीवन को अन्तर्मुखी स्थिति की ओर गतिशील करने में सहायक होती है जिससे आत्मा का आश्रय गरिमापूर्ण स्वरुप का परिचायक बन जाता है। जीवन में आत्मिक बोध का व्यावहारिक पक्ष भावना की संतुष्टि को मानवीय चरित्र की उज्ज्वलता से सम्बद्ध कर देता है जो आत्मा के परिष्कार का प्रामाणिक प्रबोधन होता है। स्वयं के अतीत और वर्तमान का तुलनात्मक अध्ययन करते हुए आत्म दृष्टि एवं दृष्टिकोंण द्वारा नव चेतना से युक्त परिवर्तन ही आंतरिक संतुष्टि के रूप में गुणात्मक जीवन के परिणाम को प्रस्फुटित करने में सक्षम होता है। आत्मगत चेतना की व्यावहारिकता-मंसा, वाचा एवं कर्मणा से बेहतर जीवन की परिकल्पना को साकार करने का स्त्रोत है जिसमें भावनात्मक संतुष्टि की गरिमामयी श्रेष्ठता समाहित रहती है।

वैचारिक परिदृश्य में दृढता की लक्ष्योंमुखी प्रवृति

जीवन में उच्चता के प्रति निष्ठा व्यक्ति को गुणात्मकता हेतु अभिप्रेरित करती है जिसमें महानता की लक्ष्योंमुखी प्रवृति से वैचारिक परिदृश्य में दृढता जाती है। स्वयं को श्रेष्ठतम स्वरुप से स्थापित करने में पवित्र भावना और विचार का पूरक सामंजस्य अनिवार्य है क्योंकि आत्मगत अभिव्यक्ति का प्रमुख साधन हृदय एवं मस्तिष्क है जिससे संतुलित व्यवहार का निर्धारण सुनिश्चित होता है। जीवन में भावना की निर्मलता से विचार में निर्माणता सहज ही प्रतिपादित हो जाती है और आत्मगत निमित्त स्थिति व्यक्ति के लिए निश्चिंतता एवं निर्भारता की अनुभूति स्वतः ही उपलब्धि का कारक बन जाती है। स्वयं की गतिशीलता में सिद्धांत एवं व्यवहार की समानता व्यक्ति को इस सत्य हेतु प्रेरित करती है कि वह आत्मिक सन्तुष्टता की व्यावहारिकता को आत्मसात कर वास्तविकता को स्वीकार करते हुए श्रेष्ठता से महानता की ओर प्रस्थान कर सके। जीवन की व्यापक दृष्टि के सानिध्य में उत्साह से भरपूर चेतना, वैचारिक समृद्धि के संबल से लक्ष्य की प्राप्ति विधिवत रूप से पूर्ण कर लेती है।

गरिमामयी जीवन की उपलब्धिपूर्ण स्थिति का विश्लेषण

आत्मानुभूति प्राणी मात्र के लिए गरिमामयी जीवन की उपलब्धि पूर्ण स्थिति का प्रमाण है जिसमें आत्मगत स्वमान, स्वरुप एवं स्वभाव का मूलगुण सम्मिलित रहता है। स्वयं की उपस्थिति का निश्चय आत्मिक अस्तित्व के आधार पर होना तथा व्यवहार के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के जुड़ाव को स्वीकार करके निभाने की उपयोगिता तक सक्रिय रहना जीवन का धर्म-कर्म है। जीवात्मा की गरिमा उस समय उपलब्धि के परिवेश में परिवर्तित हो जाती है जब प्रतिपल आत्मा की प्रमुखता और व्यवहार जगत गौण रहकर गतिशील होता है। स्वयं के जीवन में उच्चता हेतु सत्यता के व्यावहारिक अनुकरण से सहज ही संतुष्टता की प्राप्ति हो जाती है जिसमें महानता की पृष्ठभूमि व्यक्ति को निमित्त, निर्माण, निर्मल एवं निश्चिंत बना देती है। जीवन के बेहतर स्वरुप का अभ्युदय भावना एवं विचार की पवित्रता से गौरवान्वित होकर सदा उपलब्धिपूर्ण स्थिति को प्रकट करने में सहायक होता है।

> हम सिर्फ अपने लिए ही नहीं बल्कि समस्त विश्व के लिए शांति और शांतिपूर्ण विकास में विश्वास करते हैं

लालबहादुर शास्त्री, पूर्व प्रधानमंत्री, भारत

> सुधार की शुरुआत आज से ही होनी चाहिए, कल बहुत देर हो सकती है।

सुषमा स्वराज, पूर्व विदेश मंत्री, भारत

जब हम प्रकृति की रक्षा करते हैं तो प्रकृति भी हमारी रक्षा करती है: बीके करुणा

शिव आमंत्रण, आबूरोड। पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में'अपने ग्रह में निवेश करें (इनवैस्ट इन अवर प्लेनेट)-विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन वैज्ञानिक, अभियंता एवं वास्तुविद प्रभाग द्वारा किया गया। राजयोगिनी बीके जयंती, अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज ने कहा कि हमने धरती से बहुत पालना ली है। अब हमें भी प्रकृति को सकारात्मक संकल्पों के रूप में अपना सहयोग देना है। आज प्रकृति संरक्षण हेतु हमें अपने जीवन में स्वच्छता और सादगी को धारण करने की आवश्यकता है। हमारा जीवन जितना सादगी सम्पन्न होगा हम उतना ही प्रकृति की रक्षा कर सकेंगे।

राजयोगी बीके निर्वैर, महासचिव ब्रह्माकुमारीज ने कहा कि भारत ही ऐसा देश है जहां हम धरती को मां कह कर संबोधित करते हैं। लेकिन आज हमें दिल की भावनाओं को साकार रूप देना है। प्रकृति संवर्धन हेतु हम नीम के वृक्ष, पीपल के वृक्ष और बरगद के वृक्ष लगाने का दृढ़ संकल्प करें तो उन पेड़ों से हमें छांव भी मिलेगी तो धरती का जल स्तर भी बढ़ेगा।

राजयोगी बीके बृजमोहन, अतिरिक्त महासचिव ब्रह्माकुमारीज ने कार्यशाला में भाग लेते हुए कहा कि पांच विकार पर्यावरण प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण है। कहने में भी आता है पांच विकार नर्क का द्वार। आज पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में हम संकल्प कर लें कि हमें स्वयं को प्रेम स्वरूप आत्मा समझकर दूसरों को भी उसी दृष्टिकोंण से देखना है। परमात्मा पिता को स्मरण करना है। राजयोगी बीके मोहन सिंघल, अध्यक्ष, वैज्ञानिक, अभियंता एवं वास्तुविद प्रभाग ने कहा कि ऊपर में जिसका अंत नहीं उसे आकाश कहते हैं और जिसके प्रेम का अंत नहीं उसे धरती मां कहते हैं। आज हमें वसुधैव कुटुम्बंकम् एवं जीओ और जीने दो जैसे सिद्धातों को अपने जीवन में धारण करने की आवश्यकता है।

राजयोगी बीके करूणा, अध्यक्ष, मीडिया प्रभाग ने संगोष्ठी में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रकृति हमारी तीसरी मां है। दादी जानकी जी सदैव ग्लोब को अपने हाथ में लेकर योग करते थे। आज पृथ्वी दिवस पर हम भी धरती मां को सदैव शुभ संकल्प देने का व्रत लें। राजयोगिनी बीके पूनम, सब जोन प्रभारी जयपुर ,बीके कमलेश, राष्ट्रीय संयोजिका, शिपिंग ने भी विचार व्यक्त किए। बीके पीयूष, क्षेत्रीय संयोजक, वैज्ञानिक, अभियंता प्रभाग ने मंच संचालन किया।

श्रेष्ठ चरित्र से ही उत्तम कैरियर बनता है: बीके वसुधा

शिव आमंत्रण, कादमा हरियाणा। श्रेष्ठ चरित्र से ही उत्तम कैरियर बनता है इसके लिए सकारात्मक सोच के साथ साथ श्रेष्ठ संगति होनी चाहिए और यह तभी संभव है जब हम अपनी किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक और सामाजिक ज्ञान का अनुभव करेंगे। यह उद्गार ग्रामीण पुस्तकालय तिवाला के तत्वावधान में 'ग्रामीण प्रतिभा खोज अभियान' के अंतर्गत अलार एकडमी द्वारा आयोजित 'कैरियर काउंसलिंग सेमिनार' में राजयोगिनी बीके वसुधा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि बच्चों को आज आवश्यकता है तनाव रहित सुसंस्कारित शिक्षा की तभी हम अपना श्रेष्ठ कैरियर बना श्रेष्ठ समाज का निर्माण कर सकते हैं। बीके वसुधा ने बच्चों को अपने अध्ययन करने से पहले कुछ समय मेडिटेशन अभ्यास करने के लिए कहा जिससे मानसिक शांति और आंतरिक शक्तियों का विकास होता है। प्रतियोगिता में गांव के 125 बच्चों में भाग लिया, जिसमें कनिष्ठ वर्ग के अर्चना प्रथम, यश द्वितीय तथा दीपांशु ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मध्यम वर्ग में खुशप्रीत ने प्रथम, अनुज ने द्वितीय और हिमांशु ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वरिष्ठ वर्ग में प्रियंका ने प्रथम, सिमरन द्वितीय और प्रियांशु ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अलार एकडमी के निदेशक डॉ अरुण श्योराण ने कहा कि ग्रामीण आंचल में प्रतिभाओं की कमी नहीं है बस उन्हें परखने निखारने और तराशने की जरूरत है। डॉ चंद्रभान साइकोलॉजिस्ट ने बच्चों को उनकी घबराहट समाप्त करने और आत्मविश्वास पैदा करने की अनेकों उदाहरण सहित बताया। राजकीय महाविद्यालय मांढी हरिया के प्रो. राजेश कुमार, पुस्तकालय प्रबंधक राजवीर सिंह व नित्यानंद ने सभी छात्रों को विद्यालय के समय के बाद अपना समय पुस्तकालय में बिताने के लिए कहा। प्रतियोगिता के आयोजन में संदीप, दीपक, प्रतिभा, सुरेंद्र, राहुल आदि का विशेष योगदान रहा। मुख्य अध्यापक रणवीर सिंह भी मौजूद रहे।

बेटा और बेटी में फर्क ना कर बेटियों को भी बेटे जैसा व्यवहार करें: बीके प्रेमलता

शिव आमंत्रण, कामठी/महाराष्ट्र- प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय शाखा कामठी द्वारा श्री हनुमान जयंती के स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में पूरे शहर में भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें चैतन्य झांकी 'बेटी बचाओ सशक्त बनाओ' को दर्शाया गया कि कन्या ही वास्तव में 9 देवियों का स्वरूप है। वह जिस घर में जन्म लेती है उस घर में खुशियां लाती है और घर को सुख संपदा से भरपूर करती है परंतु इन्सान अज्ञानवश या पुत्रमोह के कारण कन्या को पेट मे खतम कर कन्याभ्रूण हत्या जैसा पाप कर बैठते हैं। परंतु वर्तमान समय बेटा और बेटी में कोई फर्क ना करते हुए बेटियों को भी बेटे जैसा व्यवहार कर उन्हें सशक्त बनाने पर जोर देने का संदेश झांकी के द्वारा दिया गया। झांकी में शहर के गणमान्य नागरिक जैसे पूर्व पालकमंत्री श्री चंद्रशेखर बावनकुळे, विधायक टेकचंद सावरकर, पूर्व विधायक देवराव रडके, शोभायात्रा समिति अध्यक्ष राजेश शर्मा, पूर्व सांसद श्री विलास मुत्तेमवार, माजी राज्यमंत्री सुलेखाताई कुंभारे, पूर्व सांसद विलास मुत्तेमवार, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष सुरेश भोयर, निशाताई सावरकर, बीके प्रेमलता उपस्थित रहे।

आत्मनिर्भर किसान से ही दुनिया सहित भारत स्वर्णिम बनेगा: बीके पूनम

शिव आमंत्रण, शाजापुर/मप्र। किसान मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन ब्रह्माकुमारीज के ग्राम विकास प्रभाग द्वारा चलाए जा रहे स्वर्णिम भारत की पहचान आत्मनिर्भर किसान अभियान के तहत किया गया। मुख्य अतिथि के रुप में शाजापुर जिले के कलेक्टर दिनेश जैन, भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष अंबाराम कराडा, किसान मोर्चा के नगर अध्यक्ष श्याम शर्मा, ब्रह्माकुमारीज शाजापुर की संचालिका बीके पूनम, बीके चंदा, बीके दीपक, बीके ममता उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत कृषि विज्ञान केंद्र के संचालक डॉ जीआर अम्बावतिया, सुधीर धाकड़ ने किया। प्रभारी बीके पूनम ने कहा कि यदि हमें स्वर्णिम भारत बनाना है तो हमें हमारे किसान भाइयों को आत्मनिर्भर बनना अति आवश्यक है। हमारा भारत कृषि प्रधान देश है और जब किसान आत्मनिर्भर होगा तो वास्तव में यह दुनिया ही स्वर्णिम बन जाएगी।

रेलवे महाप्रबंधक को ईश्वरीय संदेश के साथ सौगात प्रदान की

शिव आमंत्रण, माउंट आबू/राज.। उत्तर पश्चिम रेल्वे के महाप्रबंधक मास्टर विजय शर्मा, मिसेस शर्मा और अपने अधिकारीयों के साथ ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय पांडव भवन का अवलोकन करने पहुंचे। सर्व प्रथम उन्होंने संस्था की सहमुख्य प्रशासिका राजयोगीनी बीके शशीप्रभा से मिल कर ज्ञान चर्चा की। ज्ञान चर्चा के बाद बीके शशीप्रभा ने विजय शर्मा और मिसेस शर्मा को ईश्वरीय संदेश के साथ ईश्वरीय उपहार भी दिये।

अचानक माना जिसके लिए हम तैयार न थे

अचानक जीवन में सकारात्मक या नकारात्मक कुछ भी हो सकता है

» शिव आमंत्रण, आबू रोड। अनसर्टेनीटी अर्थात् अचानक इसके लिए परमात्मा एक बहुत सुंदर शब्द कहते हैं और वो शब्द है निश्चत। कभी भी कुछ भी अचानक हो सकता है तो निश्चित क्या है? ऐसा होगा फिर ऐसा होगा, फिर इस मौसम में ऐसा होगा। कभी काफी गर्मी होगी, अचानक है ना पहले थोड़ी ही पता था। हम क्या सोचते हैं कि अगले महिने का मौसम तो अच्छा-अच्छा रहेगा। मार्च तक तो हम थोड़ा-थोड़ा स्वेटर शॉल भी पहन रहे हैं, फिर अप्रैल में थोड़ा-थोड़ा गर्मी शुरू होती है, यह निश्चत है। कैसे निश्चत है क्योंकि वैसे ही हर साल होता था, अर्थात् वो सर्टेनीटी है जो हमें पता है कि ऐसा होगा लेकिन जब जो सोचा जैसा होगा और जैसा हमेशा होता है वो नहीं हो और हम तैयार भी न हो और अचानक कुछ हो उसको कहेंगे अनसर्टेनीटी। अब एक मिनट के लिए सिर्फ चेक करें कि जीवन में कौन-कौन सी बातें हैं जो अचानक हो सकती हैं। रोड एक्सीडेंट अचानक होता हैं, चलते-चलते गिर जाना अचानक होता है आदि-आदि। अचानक का मतलब ये नहीं सिर्फ निगेटिव चीजें, अचानक हमारे जीवन में सकारात्मक चीजें भी आ सकती है जैसे करोड़ों का लॉटरी लग जाना आदि। अचानक का मतलब ये है कि जिसके लिए हम तैयार नहीं थे और वो घटना सकारात्मक या नकारात्मक रूप में घटित हो हो जाता है।

युवा यहां बिना पैसे हल्के मन से सेवाएं दे रहे हैं

ब्रह्माकुमारीज के भाई-बहन मेडिटेशन एजुकेशन को स्टडी कर अभ्यास कर रहे हैं रोज़ सुबह और फिर सारा दिन वो सेवाएं भी कर रहे हैं। ये नहीं की वो सारा दिन बैठकर योग कर रहे हैं। ऐसा भी नहीं कि वो सारा दिन बैठकर ज्ञान सुन रहे या सुना रहे हैं। सुबह का एक घंटा अपने लिए और सारा दिन बहुत सारी सेवा भी हो रही है। कितने मेहमान रोज यहां आ रहे हैं उनका ध्यान रख रहे हैं, खाना बन रहा है, डाइनिंग हॉल चल रहा है, ट्रांसपोर्टींग हो रही है, बाक़ी कैंपस का भी मेंटेन करना है। यह सब सेवा करने वाले जो यूथ हैं उसके लिए इन लोगों को पैसा नहीं मिलता। यहां पर कोई बैठ कर किसी का रखवाली नहीं कर रहा कि वो अपना सेवा कर रहे हैं या नहीं। आप यहां यही एक्सपीरियंस करेंगे कि सेवाएं अपने आप हो रही है। ये एक जीवन जीने का तरीक़ा है कि जहां हम से लोग काम करवा नहीं रहे, हां हम खुद अपने स्वेच्छा से वो सब कर रहे हैं और सब कुछ करते मन से हल्के हैं। तो कई लोग यहां आते हैं सेम प्रोग्राम उनके कॉलेज में भी हो सकता है परंतु उसका रीज़न यही है कि यहां उसकी इम्प्लीमेंटेशन को देखना और फिर वापस वहां जाकर उसको इम्प्लीमेंट करना। क्योंकि अगर हम उसको कॉलेज में करते हैं तो वो थ्योरी में ठीक लगता है लेकिन ये जीवन में होगा कैसे ये करना तो बहुत मुश्किल होता है तो यहां थ्योरी को प्रैक्टिकल रूप में लोग जीवन जी कर दिखा रहे हैं इसलिए लोगों को यहां बुलाया जाता है।

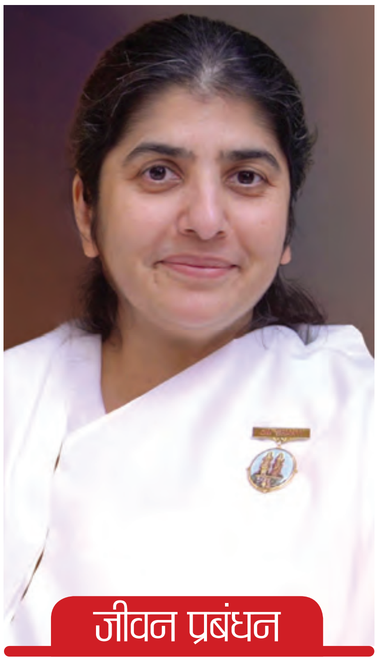
जीवन प्रबंधन

बी.के. शिवानी
जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ, अंतरराष्ट्रीय मोटिवेशनल स्पीकर और ब्रह्माकुमारीज़ की टीवी ऑइकॉन गुरुग्राम, हरियाणा

एकाग्रता के लिए पॉजिटीव वातावरण जरूरी

जब कई लोग ब्रह्माकुमारीज के इस हेडक्वाटर में आते हैं तो वाइब्रेशन में बहुत कुछ फर्क लग रहा होता है। अब ये जो वाइब्रेशन है वह स्टडी के लिए बहुत अच्छी है। आज हर स्टूडेंट की एक कॉमन कंप्लेन है कि मेरा मन एकाग्र नहीं हो पा रहा है। क्यों नहीं हो रहा? क्योंकि मन बहुत हिला हुआ है और ये जो मन हिला हुआ है इसमें वातावरण बहुत बड़ा कारण है। क्योंकि जिस एनवायरमेंट में हम रह रहे हैं उसकी वाइब्रेशन का असर हमारे ऊपर पड़ेगा ही। इस समय एनवायरमेंट के वाइब्रेशन में स्थिरता कम है क्योंकि सबके मन थोड़े हिले हुए हैं। हम सबके मन वाइब्रेशन बनाते हैं। शहर की वाइब्रेशन भी थोड़ी हिली हुई है, उसमें वो बच्चे हैं, तो उनका मन भी थोड़ा हिला हुआ है, तो वो पढ़ने बैठेंगे तो भी थोड़ा मन हिलेगा तो फिर वो क्या कहेंगे हमारे से एकाग्रता नहीं होता है। तो हमें एक उनको ऐसा एनवायरमेंट बना के देना है जहां एकाग्रता करना ना पड़े लेकिन अपने आप हो जाए। लेकिन वो वातावरण हम सब ही सकारात्मक संकल्प कर के बना सकते हैं।

हम सीसीटीवी कैमरा लगाकर लोगों को सुधार नहीं सकते

ब्रह्माकुमारीज का कैंपस सेंटर शहर से बाहर तो नहीं है, गेट में एंटर करो अलग वाइब्रेशन है, बाहर जाओ तो अलग वाइब्रेशन है तो वाइब्रेशन किसने क्रिएट किया? हमने ही किए तो हम इसको कहीं भी कर सकते हैं। इसलिए हमलोग जो वाइब्रेशन बनाते हैं उस वाइब्रेशन में रहना होता है। आज हमने ही हलचल का वाइब्रेशन क्रिएट किया, अब हम ही उसमें रह रहे हैं और हमें अब ये पता नहीं कि फिर से शांति कहां से आए? आजकल सुनते हैं कि स्टूडेंट लाइफ़ में कई बच्चे ऐसा भी गलत कर सकते हैं तो क्यों ऐसा कर रहे हैं वो? और अगर हमें उनको बचाना है और ऐसा-वैसा गलती होने से बचाना है तो हमारी जिम्मेवारी क्या फिर? लोगों को डराने के लिए कितने भी सीसीटीवी लगा लो, हम निवारण को कहां ढूंढते हैं बाहर, वो ठीक है वो भी करना है लेकिन उससे लंबे समय के लिए सफलता नहीं मिलेगी। जब हम घर बैठें ऐसी ख़बरें देखते हैं, सुनते हैं और हम कहते हैं वो बच्चा कैसा है, कैसे कर दिया उसने, तो तुरंत उंगली उस बच्चे पर जाती हैं कि वो बच्चा ही ठीक नहीं है और फिर थोड़े दिन बाद वो टॉपिक खत्म हो जाएगा फिर कुछ समय बीत जाएगा हम कुछ नहीं करेंगे, थोड़े दिन के बाद एक और न्यूज़ आएगी, फिर हम थोड़े दिन उस न्यूज़ को सुनेगें फिर कहेंगे वो भी ऐसा है।

बीके निर्मला को विशेष सम्मान

» शिव आमंत्रण, रीवा (मप्र)। कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम रीवा में स्वर्गीय भगवत शरण माथुर विचारक, चिंतक के जयंती पर विशेष विंध्य के विभिन्न क्षेत्र के विद्वानों, विभूतियों का सम्मान किया गया। जिसमें ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की क्षेत्रीय संचालिका राजयोगिनी बीके निर्मला को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। सम्मानित करने वालों में मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष माननीय विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम, राज्यसभा सांसद अजय प्रताप सिंह, लोकसभा रीवा के सांसद जनार्दन मिश्रा, पूर्व मंत्री विधायक रीवा श्री राजेंद्र शुक्ला, मेजर विभा श्रीवास्तव एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉक्टर गोविंद नारायण श्रीवास्तव इस अवसर पर उपस्थित रहे। इस अवसर पर विंध्य क्षेत्र के तमाम हजारों की संख्या में बुद्धिजीवी, गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मैराथन में ब्रह्माकुमारीज़ की सहभागिता के लिए मिला प्रमाण पत्र और सम्मान

» शिव आमंत्रण, बिलासपुर छग। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के मानव संसाधन विकास के मुख्य प्रबंधक श्री सुनील कुमार व संभागीय लेखा अधिकारी विकास चंद्र दास ने ब्रह्माकुमारीज के बिलासपुर टिकरापारा सेवाकेन्द्र में शिरकत की। आजादी के अमृत महोत्सव पर एसबीआई द्वारा आयोजित हाफ मैराथन में ब्रह्माकुमारीज की सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया। सभी सहभागियों के प्रमाण-पत्र सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके मंजू सहित अन्य बहनों को भेंट किए गए। साथ ही सेवाकेन्द्र में शान्ति अनुभूति के लिए बने हुए बाबा की कुटिया में बीके बहनों ने उन्हें ध्यान की अनुभूति भी कराई। अवगत हो कि हॉफ मैराथन में बीके रूपा, बीके ज्ञाना, बीके शशी, बीके गायत्री, बीके पूर्णिमा, बीके श्यामा, बीके रजनी व अन्य बीके सदस्यों ने हिस्सा लिया।

माइंड पॉवर ऑफ YOUTH

युवा देश के कर्णधार होते हैं, ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़कर आज लाखों युवाओं का जीवन बदल गया है, ऐसे परिवर्तनकारी युवाओं की अनुभव गाथा...

तपस्या से मिटी जीवन की समस्या

» शिव आमंत्रण। 2015 में ब्रह्माकुमारीज़ के साथ जुड़ा। उससे पहले जिंदगी नरकमयी बीत रहा था। कुछ भी अच्छा नहीं लग रहा था। हर छोटी-छोटी बातों में गुस्सा करना लड़ाई-झगड़े के साथ रोना-धोना जारी रहता था। आस-पड़ोस के लोग सहित सब परेशान रहते थे। लेकिन एक दिन यूट्यूब पर ऑनलाईन मेडिटेशन कोर्स करने का मौका मिला। उसके बाद सभी सेन्सेटीव नेचर का त्याग कर शिव बाबा को अपना साथी बनाया। सुबह-शाम राजयोग का अभ्यास निरन्तर करने लगी। यानि किया तपस्या मिटा समस्या तब फिर जीवन में जो आनंद मिलने लगा उससे प्रेरणा लेकर कई बहनों का जीवन बदला। बस इतना निवेदन करती हूं कि राजयोग सीख कर रोज अभ्यास जरूर करें।

उमा कुमारी, सतना, उप्र

परमात्मा को अपना दोस्त बनाया

» शिव आमंत्रण। 2014 में ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा सीखाया जा रहा राजयोग मेडिटेशन से जुड़ा। उससे पहले मेरा जीवन अकेलापन का शिकार होकर तनावग्रसित हो चुका था। व्यक्तियों कि संगत अच्छा नहीं लगता था। गुस्सा बहुत आता था। एक दिन मेरी अचानक एक मेले में मुझे ब्रह्माकुमारीज का ज्ञान प्रदर्शनी द्वारा मिला उसके बाद हमने राजयोग का प्रशिक्षण लिया। उसके बाद ही मैंने भगवान को अपना साथी दोस्त बनाकर सब सौंप दिया। रोजाना मुरली महावाक्य और मेडिटेशन अभ्यास ने जीवन को बदलकर रख दिया। आज के युवाओं से कहुंगा कि बुरे संगत से बचकर अभी राजयोग सीखने के लिए नजदीकी सेवाकेन्द्र पर अवश्य जाएं।

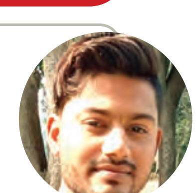
राहुल कुमार, समस्तीपुर, बिहार

अनियमित दिनचर्या के कारण तेजी से बढ़ रहा हृदय रोग : डॉ गुप्ता

कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलन कर उद्घाटन करते बीके बृजमोहन, बीके मृत्युंजय, बीके सुधेश एवं अन्य।

शिव आमंत्रण, आबू रोड। गलत खान-पान और अनियमित दिनचर्या के कारण आज तेजी से लोगों में हृदय रोग बढ़ रहा है। यदि समय रहते अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव नहीं आया तो आने वाला समय बहुत मुश्किलों भरा होगा। उक्त उद्गार कोरोनरी आर्टरी डिजीज के डायरेक्टर तथा हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ सतीश गुप्ता ने व्यक्त किये। वे हृदय रोगियों के 3डी हेल्थकेयर कार्यक्रम में लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत सहित दुनिया में तेजी से यह बीमारी बढ़ रही है। इसका मूल कारण लोगों के जीवन में नकारात्मकता, तनाव, डिप्रेशन, गलत खानपान के कारण भारत हृदय रोग की वैश्विक राजधानी बनने की ओर है। अब लोग स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो रहे हैं। इसलिए प्राचीन पद्धति को अपना रहे हैं। इसलिए राजयोग ध्यान और आध्यात्मिक ज्ञान से जीवन में सकारात्मक बदलाव आयेगा। परमात्मा शिव के इस महायज्ञ में तन और मन को स्वस्थ रहने की दवा मिलती है। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज संस्थान के अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन ने कहा कि हम सभी शरीर नहीं बल्कि आत्मा है। इस भाव से हमारे शरीर से ध्यान हट जाता और आत्मिक शक्ति मिलनी प्रारम्भ हो जाती है। कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय ने कहा कि इस कार्यक्रम से हजारों लोगों के जीवन में सुधार आया है। मेडिकल प्रभाग के सचिव बीके डॉ बनारसी ने बताया कि कैड प्रोग्राम में पूरा अभ्यास कराया जाता है। प्रातः तथा सायं काल की दिनचर्या के अनुरूप ही कार्यक्रम होते हैं।

ब्रह्माकुमारीज़ बिना प्रलोभन समाज सेवा करती है: मुख्यमंत्री बोम्माई

कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलन कर उद्घाटन करते मुख्यमंत्री बाम्माई एवं अन्य अतिथि।

शिव आमंत्रण, गुलबर्गा/कर्नाटक। गुलबर्गा में बीजेपी की विभागीय मीटिंग के उपलक्ष्य में दया और करुणा के लिए सशक्ति करण कार्यक्रम में कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री बसराज बोम्माई और केबिनेट मंत्री श्री रामलु, श्री मुरुगेश निराणी, श्री लक्ष्मण सवदी, श्री अश्वत्थ नारायण, केन्द्रीय मन्त्री श्री प्रह्लाद जोशी, शासक श्री दत्तात्रय पाटिल, श्री मत्तीमूड, श्री सुभाष गुत्तेदार और अनेक शासक व एमएलसी एवं सांसद तथा अधिकारी गण एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। श्री बोम्माई ने कहा कि सारे विश्व में निस्वार्थ सेवा करते जन सामान्य को नैतिकता की प्रेरणा ब्रह्माकुमारीज संस्थान दे रहे हैं। मैं नजदीक से देखा है कि वे सब कोई भी प्रलोभन के बिना अध्यात्मिक सेवा करते हैं। अभी मानव मात्र को दया करुणा की सबसे ज्यादा आवश्यकता है, दया के बिना धर्म नहीं और इस तरह के जो अभियान आप सब कर रहे हैं इसके लिए मैं संस्थान को साधुवाद देता हूं। गरीब ही नहीं लेकिन आज सबको दया और करुणा की आवश्यकता है और उसका खुद में धारण करने के लिए जो शक्ति चाहिए वह संस्थान का ज्ञान दे रही हैं। मानवीय मूल्यों को धारण कर औरों को कराना यह बहुत बड़ा काम है जो संस्थान कर रही है। इसलिए सबको मुबारक और विश्वास दिलाते हैं कि आपके इस कार्य में हम भी साथ हैं। कार्यक्रम में राजयोगिनी बीके विजया ने सर्व का स्वागत कर प्रास्ताविक प्रवचन दिया। राजयोगी बीके प्रेम ने सभी को शॉल, पुष्प गुच्छ एवं मोमेण्टो देकर सम्मान किया। कार्यक्रम संचालन बीके शिवलीला ने किया।

स्वास्थ्य मेला लगाकर दिया ईश्वरीय संदेश

शिव आमंत्रण, बड़ा मलहेरा/मप्र। आजादी की अमृत महोत्सव के अंतर्गत चिकित्सालय में स्वास्थ्य मेला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में विधायक प्रद्युमन सिंह लोधी, एसडीएम बीके आनंद, जिला सीएमएचओ डॉ विजय पथोरिया, बीएमओ डॉ हेमंत मरैया, बिजावर सेवा केंद्र प्रभारी बीके प्राची कार्यक्रम में उपस्थित रहे। बड़ा मलहरा युवा कांग्रेस तहसील अध्यक्ष टिंकू चौहान, सांसद प्रतिनिधि सुनील मिश्रा, डीएचओ डॉक्टर जीएल अहिरवार और स्वास्थ्य मेला कार्यक्रम का आयोजन डॉ हेमंत अमरैया के द्वारा आयोजित किया गया।

साधना का दूसरा नाम है नृत्य: बीके माधुरी

शिव आमंत्रण, छतरपुर/मप्र। ईश्वर आराधना और साधना का नाम है नृत्य। नृत्य वह कला है जो मन की खुशी को व्यक्त करने का एक साधन है। नृत्य वह कला है जो हमारे मन के भावों को अपने चेहरे के हाव भाव से प्रदर्शित कर देता है। अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए व्यायाम है नृत्य। नटराज शिव का ही एक नाम है जिन्हें नृत्य कला का प्रवर्तक कहा जाता है। आज शिव के इस सुंदर प्रांगण में नृत्य कला का यह कार्यक्रम अपनी भारतीय संस्कृति को जागृत करने की एक पहल है। इसके द्वारा हम बताना चाहते हैं कि नृत्य करें लेकिन अपनी सौम्यता, पवित्रता, सादगी को ना भूलें। उक्त उद्गार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय किशोर सागर द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर थीम के अंतर्गत भारत की गौरवशाली संस्कृति के बैनर तले अंतर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस के आयोजन के दौरान बीके माधुरी द्वारा व्यक्त किए गए। मंच संचालन बीके कल्पना ने किया। बच्चों द्वारा सार्थक, मान्या, माही, रानू, खुशी, राजी, प्रदीप, प्रांसी, अंकुश नव्या ने शानदार प्रस्तुति दी। कोरियोग्राफर सोनम सेन की क्लास स्टूडेंट अनन्या सोनी ने शिव तांडव नृत्य किया।

ब्रह्माकुमारीजज़ भारत में 18 विवि के साथ 200 मूल्य आधारित कोर्स चला रही

शिव आमंत्रण, मथुरा/उप्र। ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्र रिफाइनरी नगर पर शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विषय था- स्वर्णिम भारत के लिए नई शिक्षा। मुख्य अतिथि मुकेश अग्रवाल, संयुक्त शिक्षा निदेशक, आगरा मण्डल ने कहा कि शिक्षा पाठ्क्रम में मूल्यपरख शिक्षाप्रणाली पर विशेष जोर दिया। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालयों में फिजीक्स केमिस्ट्री के साथ ही थॉट लैब या नैतिक मूल्यों के विकास और उनके प्रयोग के लिए रिसर्च लैब होना चाहिए। माउंट आबू मुख्यालय के शिक्षा विभाग की मुख्य वक्ता बीके चित्रा ने मूल्यपरख शिक्षा प्रणाली के व्यवहारिक उदाहरण प्रस्तुत किये और उन्होंने बताया कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान आज पूरे भारत में 18 यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर लगभग 200 मूल्य आधारित कोर्स सफलता पूर्वक चला रही है। उन्होंने बताया कि संस्था नें जयपुर और दिल्ली विश्व विद्यालय मे थॉट लैब स्थापित की है और इसके चमत्कारिक परिणाम सामने आ रहे हैं। 40 विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों समेत 150 से अधिक शिक्षको नें सहभागिता की।

पौधारोपण कर योग सकाश से दे रहे शुभ वाईब्रेशन

शिव आमंत्रण, जम्मू। राजिंदर नगर वन तलाब जम्मू सेवा केंद्र पर विश्व पृथ्वी दिवस बहुत ही हर्षोल्लास से मनाया गया। इस कार्यक्रम में विश्व ग्लोब को परमात्मा शक्तियों के वाईब्रेशन दिए गए। नए पौधे लगाये गए और धरती मां को जहर से बचाने के लिए कई लोगों ने एक साथ प्रतिज्ञा ली।

जिसमें सहनशीलता का गुण होता है वह सूरत से सदैव सन्तुष्ट दिखाई देगा

आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर

खेलों में कौशल और दक्षता में सुधार के लिए राजयोग मेडिटेशन जरूरी

ब्रह्माकुमारीज़ मुलुंड की ओर से खेल प्रभाग द्वारा महिला क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन

शिव आमंत्रण, मुलुंड (मुंबई) महाराष्ट्र। ब्रह्माकुमारीज मुलुंड सबजोन द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर अभियान के तहत खेल प्रभाग द्वारा महिला क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। उद्घाटन मशाल से किया गया और सभी का स्वागत तुलसी के पौधे से किया गया। मुख्य रूप से छह महिला टीमों ने इस टूर्नामेंट में बड़े जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। पावर पलटन, हिरकानी, सिनर्जी स्ट्राइकर्स, राइजिंग स्टार्स, तिरुमाला टाइटन्स और अनस्टॉपेबल।

भांडुप केंद्र की संचालिका बीके लाजवंती ने स्वागत भाषण दिया। जाह्नवीस मल्टी फाउंडेशन के वंदे मातरम डिग्री कॉलेज, डोंबिवली (पश्चिम) के संस्थापक, अध्यक्ष और प्राचार्य बीके डॉ. राजकुमार कोल्हे ने कहा कि 'भारत में क्रिकेट भगवान और धर्म से संबंधित है। क्रिकेट भारतीयों का दिल है। मुख्य वक्ता बीके जयश्री ने कहा कि खेलों में कौशल और दक्षता में सुधार के लिए राजयोग मेडिटेशन आवश्यक है। ब्रह्माकुमारीयों के पास आने और ध्यान सीखने के बाद मेरा ध्यान और एकाग्रता बढ़ी और मुझे खेलों में कई पुरस्कार जीतने में मदद मिली। मैं अभी भी ध्यान के कारण सक्रिय हूं। अतिथि धरमीन जैन ने कहा कि खेल और फिटनेस मेरे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। हम सभी को एक दिन में दस हजार कदम चलने का लक्ष्य रखना चाहिए और फिटनेस की कोई उम्र नहीं होती।

ममता प्रभु, राष्ट्र मंडल खेलों की रजत पदक विजेता, अंतर्राष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ द्वारा भारत से चुनी कोच ने कहा कि खेलों में अध्यात्म महत्वपूर्ण है क्योंकि मानसिक शक्ति का निर्माण करने वाली आध्यात्मिकता आपको खेल में आने वाली परिस्थितियों से उबरने में मदद करती है। छोटी शुरुआत करें लेकिन खेल खेलें। विजया शेलार राणे, शिव छत्रपति पुरस्कार विजेता ने भी अपने विचार रखे। कबड्डी, महाराष्ट्र टीम की पूर्व कप्तान डॉ. गोदावरी दीदी (संचालिका, मुलुंड उप-क्षेत्र) ने खेल में राज योग की भूमिका' पर ध्यान केंद्रित किया।

जो अनुभूति हुई उसकी महिमा अवर्णनीय है: उपराष्ट्रपति

शिव आमंत्रण, वाराणसी/उप्र - देश के उप-राष्ट्रपति एम वैंकैया नायडू के वाराणसी आगमन पर वाराणसी के बीएलडब्लू (बनारस लोकोमोटिव वर्कस) स्थित वीवीआईपी गेस्ट हाउस में बजरडीहा/बीएलडब्लू, वाराणसी स्थित सेवाकेंद्र की संचालिका राजयोगिनी बीके सरोज, बीके चंदा ने मुलाकात की। इस दौरान उप-राष्ट्रपति महोदय ने वाराणसी स्थित केंद्रों और वाराणसी में संस्था के द्वारा की जा रही विभिन्न गतिविधियों की जानकारी ली। साथ ही ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा माउण्ट आबू का निमंत्रण देने पर उन्होंने संस्था के मुख्यालय में प्रवास के दौरान की अपनी अनुभूतियों को बहनों के साथ साझा करते हुए परम आदरणीय दादियों और वरिष्ठ भ्राताजनों के सुस्वास्थ्य की जानकारी ली।

उन्होंने कहा कि संस्था के मुख्यालय में हमें जो अनुभूति हुई उसकी महिमा अवर्णनीय है। जीवन की वास्तविक सुख और शांति के साथ मानव के साथ आत्मीय सम्बंधों का पूर्ण और सुखद एहसास होता है। संस्था की जन-कल्याणकारी गतिविधियों और आध्यात्मिक-नैतिक उत्थान के द्वारा बेहतर विश्व के नव-निर्माण की संकल्पना को साकार रूप देने हेतु किए जा रहे प्रयास एक अनुकरणीय पहल है। इस दौरान बीके सरोज ने पूर्वी उत्तर प्रदेश स्थित करीब125 केन्द्रों की निदेशिका, राजयोगिनी बीके सुरेंद्र दीदी और राजयोगी बीके दीपेंद्र भाई की ओर से विशेष संदेश के साथ ईश्वरीय सौगात भेंट किया।

हमें परमात्मा की व्यवस्था पर पूर्ण विश्वास होना चाहिए: बीके विजय

शिव आमंत्रण, टूंडला फिरोजाबाद, उप्र। ब्रह्माकुमारीज स्थित ओम शांति भवन राम नगर कॉलोनी एटा रोड टूंडला पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। ब्रह्माकुमारीज मुख्यालय माउंट आबू राजस्थान से पधारे राजयोगी बीके छोटेलाल ने आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर टॉपिक पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि कैसे अपने जीवन में सफलता प्राप्त कर आगे बढ़े? उन्होंने कहा कि इस विषय में हम अपने विचारों को सदा पॉजिटिव और पावरफुल बनाकर चलें तो हमारे संकल्प के अंदर असंभव को भी संभव करने तथा समस्याओं को समाधान करने की ताकत मिलती है। आत्मा में पॉजिटिव पावरफुल संकल्प करते ही शक्ति आती है और अनेक विघ्न परिस्थितियों में विजयी बन जाते हैं। दूसरी बात जीवन में सफलता पाने के लिए हम अपने मन की भावनाओं को शुभ श्रेष्ठ कल्याणकारी बनाएं, सबका कल्याण हो, सब आगे बढ़े, सब के जीवन से विघ्न और दुःख की घटनाएं खत्म हो जाए, सबका जीवन सुख शांति बन जाए, इस संबंध में विचार व्यक्त किए। साथ में अनेक आत्माओं के अनुभव भी सुने सुनाएं इसके साथ-साथ हम सदा ही परमात्मा को अपने साथ रख कर चलें कि सर्वशक्तिमान भगवान मेरे साथ है। सेवाकेंद्र संचालिका बीके विजय ने बताया कि आत्मिक शक्ति के बल से ही हम रचनात्मक कार्य कर सकते हैं।

पंचायत के मुखिया ने पाया परमात्म संदेश

शिव आमंत्रण, शाहपुर पटोरी, समस्तीपुर/बिहार। स्थानीय ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र के तरफ से स्वर्णिम भारत नवनिर्माण आध्यात्मिक प्रदर्शनी एवं राजयोग मेडिटेशन शिविर का आयोजन किया गया जहां लोगों को आत्मा और परमात्मा का संदेश देकर तनावमुक्त बनाया गया। जिसका उद्घाटन करते हुए शिउरा पंचायत के मुखिया सुबोध कुमार चौधरी साथ में ईश्वरीय संदेश देते हुए बीके रंजना।

प्रसिद्ध कथावाचिका प्राची देवी को मिला ईश्वरीय सौगात

शिव आमंत्रण, मोकामा बिहार। मोकामा स्थित औंटा गांव में विष्णु महायज्ञ की मुख्य कथावाचिका प्राची देवी से ज्ञान चर्चा के पश्चात् ईश्वरीय सौगात देते बीके निशा बहन।

स्मृति विशेष] राज्यपाल सुश्री अनुसूईया उइके और मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने ''अखिल भारतीय प्रशासनिक सम्मेलन'' का किया शुभारम्भ

मन की शान्ति के लिए अपनाना होगा आध्यात्म और ध्यान का रास्ता: मुख्यमंत्री बघेल

- सफल प्रशासक बनने के लिए मन में करूणा, स्नेह और आदर का भाव जरूरी: राज्यपाल उइके

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री बघेल, बीके कमला एवं अन्य अतिथि।

शिव आमंत्रण, रायपुर छग। राज्यपाल सुश्री अनुसूईया उइके और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के राजधानी रायपुर स्थित शान्ति सरोवर में प्रशासकों, कार्यपालकों और प्रबन्धकों के लिए आयोजित अखिल भारतीय प्रशासनिक सम्मेलन का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया। यह कार्यक्रम आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर परियोजना के तहत राजयोग एजुकेशन एण्ड रिसर्च फाउण्डेशन के प्रशासक सेवा प्रभाग द्वारा आध्यात्मिकता द्वारा प्रशासन में उत्कृष्टता विषय पर आयोजित किया गया।

राज्यपाल सुश्री अनुसूईया उइके ने अपने सम्बोधन में कहा कि आप तभी सफल प्रशासक बन पाएंगे जब आपके मन में करूणा, स्नेह और आदर का भाव होगा। लोग बेझिझक अपनी बात कह पाएंगे उन्हें अपनी समस्या का समाधान मिल सकेगा। इससे लोगों के बीच प्रशासन की स्वीकार्यता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि प्रशासक शासन व्यवस्था की धूरी है। प्रशासक जितना कुशल, उत्तरदायी, कर्मठ और ईमानदार होगा, प्रशासन उतना ही जिम्मेदार और सक्षम बनेगा। यह सामान्य धारणा है कि वर्तमान प्रशासनिक व्यवस्था लोगों की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर सका है। लोग व्यवस्था से असन्तुष्ट हैं। इसका प्रमुख कारण प्रशासनिक अधिकारियों में नैतिक और मानवीय मूल्यों का अभाव होना है।

ब्रह्माकुमारीज में समाधान परक पत्रकारिता से समृद्ध भारत की ओर विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

शिव आमंत्रण, बैतूल मप्र। मौजूदा हालतों में समाज का दर्पण कहलाने वाला लोकतंत्र का चौथा स्तंभ अपनी रिपोर्टिंग को लेकर हमेशा चर्चा का विषय बना रहता है। मीडिया से गायब होते ज्वलंत मुद्दे, सामाजिक मूल्यों का पतन ही आज मीडिया पर सवाल खड़े कर रहा है। ऐसे में पत्रकारिता के जरिये हम किस तरह समृद्ध भारत की नई तस्वीर बना सकते है। इस विषय पर गम्भीर चिंतन भी अति आवश्यक हो चुका है। ब्रह्माकुमारीज द्वारा भवन भाग्य विधाता भवन में अखिल भारतीय मीडिया सम्मेलन एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। समाधान परक पत्रकारिता से समृद्ध भारत की ओर विषय पर वक्ताओं ने अपने विचारों का आदान प्रदान किया। बतौर अतिथि जन संचार संस्थान नई दिल्ली के निदेशक संजय द्विवेदी, देश के वरिष्ठ पत्रकार राजेश बादल, ब्रह्माकुमारीज माउंट आबू के जनसंपर्क अधिकारी बीके कोमल, मीडिया विंग भोपाल की जोनल कोऑर्डिनेटर बीके डॉ. रीना तथा बीके रावेंद्र सहित सलाहकार एवम लेखक राजीव खंडेलवाल विशेष रूप से मंचासीन हुए, जिन्होंने अपने-अपने विचारों से स्थानीय पत्रकारों को संबोधित किया। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके मंजू ने राजयोग अभ्यास कराया।

शिक्षा प्रभाग ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में शिक्षक सेमिनार आयोजित

स्वर्णिम भारत का सपना होगा साकार: बीके जानकी

शिव आमंत्रण, बीना/मप्र। शिक्षक राष्ट्र निर्माता होते हैं। परिवार के बाद शिक्षक पर ही बच्चे के जीवन को आकार देने, उसे संवारने की महती जिम्मेदारी शिक्षक पर ही होती है। आप सभी के हाथ में भविष्य की भावी पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण में सहयोगी बनाने का दायित्व है। विद्यार्थियों को मूल्य और आध्यात्मिक शिक्षा का ज्ञान देना जरूरी है। उक्त उद्गार बीके जानकी ने व्यक्त किए। मौका था ब्रह्माकुमारीज द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर अभियान के तहत शिक्षा प्रभाग की ओर से आयोजित शिक्षक सेमिनार का। ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में हुए सेमिनार में उन्होंने कहा कि भारत को स्वर्णिम भारत बनाने, मूल्यनिष्ठ भारत और विश्वगुरु बनाने के लिए बच्चों को योग-राजयोग और आध्यात्म को पाठ्यक्रम में शामिल करना होगा। आध्यत्म हमारी पुरातन संस्कृति, सभ्यता है, इससे ही स्वर्णिम भारत का सपना साकार हो सकता है। बीके सरोज ने कहा कि शिक्षक का जीवन चरित्र ऐसा हो कि वह विद्यार्थियों के लिए रोल मॉडल बन सकें। बीके किरण ने भी अपने विचार व्यक्त किए। खुरई से आये बीके शिव कुमार, बीके सरस्वती ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कुमारी शानवी ने नृत्य पेश किया। बीके गुड्डी, शिक्षक अम्बिका ठाकुर, डॉ. विष्णु अग्रवाल, संस्थापक, ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल, मंजू अग्रवाल, प्राचार्य कंचन अग्रवाल, डॉ. कला अग्रवाल, जितेंद्र सिंह राजपूत, डॉ. रश्मि सिंघई व अन्य मौजूद रहे।

हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, राज. और गुजरात के लिए रेलवे की सौगात

शिव आमंत्रण, नई दिल्ली। रेल भवन में रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव को विशेष भेंट करने माउंट आबू से बीके मृत्युंजय, बीके प्रकाश, बीके शिविका और साथ में बीके सोमशेखर ने मुलाकात कर उन्हें सौगात भेंट की। हाल ही में रेलमंत्री ने दौलतपुर से साबरमती प्रतिदिन रेल चलाने की हरी झंडी दिखाकर हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात के सभी भाई बहनों को खास सौगात दी है। इस खुशी के मौके पर विशेष ब्रह्माकुमारीज माउंट आबू से दादी रतनमोहिनी जी की ओर से स्पेशल मोमेंटो बीके मृत्युंजय और बीके प्रकाश ने मंत्री जी को भेंट किया। साथ में ईश्वरीय प्रसाद भी उन्हें दिया गया जो मंत्री जी ने बहुत प्यार से स्वीकार किया। रेल मंत्री जी को माउंट आबू आने का निमंत्रण भी दिया।

मन को आने वाली परिस्थिति के लिए प्रशिक्षण दें: बीके शिवानी

शिव आमंत्रण, लुधियाना/पंजाब। ब्रह्माकुमारीज संस्था के लुधियाना स्थित सेवाकेंद्र विश्व शान्ति सदन में अंतरराष्ट्रीय मोटीवेशनल स्पीकर बीके शिवानी दीदी का प्रोग्राम रखा गया। बढ़ाएं अपने मन की शक्ति नाम से कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें लगभग 1500 प्रतिभागियों ने लाभ लिया। शुरुआत परमात्मा की याद में मेडिटेशन के अनुभव से हुई। कुमारी लावण्या ने एक सुंदर नृत्य से दीदी शिवानी का स्वागत किया। बीके शिवानी दीदी ने जीवन से जुड़ी व्यवहारिक उदाहरणों से समझाया कि कैसे हम अपने मन को नियंत्रण में कर सकते हैं। सबसे पहले अपने मन के बारे में पता होना चाहिए कि हमारा मन शक्तिशाली है या कमजोर है। बीमारी का पता होगा तभी इलाज हो सकता है, तो अपने मन का हाल-चाल जानना बहुत जरूरी है। दीदी ने समझाया कि सब का मन बहुत शक्तिशाली है लेकिन हम उसकी शक्ति को या तो व्यर्थ गवां रहे हैं या उसे गलत दिशा दे रहे हैं। मोबाइल, टीवी ये सब मन को गलत दिशा देते हैं।

सड़क सुरक्षा पाने के लिए ध्यान करना जरूरी: बीके नम्रता

शिव आमंत्रण, राजगढ़/मप्र। सुरक्षित भारत अभियान के अंतर्गत 'सड़क सुरक्षा मोटर साइकिल यात्रा' पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते हुए जनपद अध्यक्ष प्रकाश पुरोहित, पूर्व विधायक हजारीलाल दांगी, नगर पालिका अध्यक्ष बलराम टांक, भाजपा मंडल अध्यक्ष विष्णु पंवार, कॉलेज प्रोफेसर राधावल्लभ गुप्ता, राजगढ़ प्रभारी बीके मधु, पचोर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके वैशाली एवं जीरापुर सेवाकेंद्र संचालिका बीके नम्रता। वहां सबने इस बात पर जोर दिया कि सड़क सुरक्षा पाने के लिए ध्यान मेडिटेशन जीवन में अपनाना जरूरी है।

पुराने संस्कार-स्वभाव के व्यर्थ संकल्पों को समाप्त कर नई रचना की तैयारी करो

आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर

प्रेरणापुंज

दादी गुलजार (हृदयमोहिनी)

पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़

एकाग्रता से विस्तार को सार में लाकर साधना करनी है

» **शिव आमंत्रण, आबू रोड।** बाबा ने कहा कि वर्तमान समय साधनों के विस्तार में बहुत चले गये हैं और सार जो साधना है उसमें थोड़ी कमी पड़ जाती है तो इससे सिद्ध है कि बाबा देखता है कि बच्चे साधनों के वश हलचल में आ जाते हैं, वही बाबा हमसे चाहता है कि साधना ऐसी पक्की हो जो साधन हमको हिला न सकें। समझो हम चाहें अभी शान्त में बैठे परन्तु लाइट नहीं है, तो यही संकल्प चलता रहे कि लाइट क्यों गई? लाइट के दफ्तर वाले अच्छे नहीं हैं, काम करते ही नहीं, आजकल के हैं ही ऐसे... परन्तु मेरा काम यह नहीं है कि हम उनका सोचें, ऐसे फालतू कॉमन संकल्प हमारे चल गये तो साधन ने मेरे मन की स्थिति को खींचा ना! तो मन की स्थिति हमारी एकाग्र तो नहीं हुई! तो बाबा जो कहता है वह साधना पावरफुल नहीं रही, हल्की रही। साधना हम सब करते हैं और साधना चलते-फिरते भी हो सकती है लेकिन अगर साधन के वश नहीं हैं और बिल्कुल कमल पुष्प के समान हमारी स्थिति है तो चलते-फिरते भी हम मन को एक जगह पर लगाकर साधना कर सकते हैं क्योंकि कई काम ऐसे होते हैं जो बहुत हल्के होते हैं, कई काम ऐसे होते हैं जिसमें फुल बुद्धि लगानी पड़ती है, उसमें स्थिति का कुछ फ़र्क पड़ सकता है क्योंकि दो तरफ़ बुद्धि लगानी पड़ती है। तो हम जो भी काम करते हैं उसमें बुद्धि यहाँ वहाँ नहीं है लेकिन कर्म कान्सेस। हो जाते हैं, बॉडी कान्सेस भी नहीं होते या सोल कान्सेस भी नहीं हैं, कर्म कान्सेस हो जाते हैं जैसेकि यह काम ऐसे करना है, यह किया, यह ठीक हुआ, यह नहीं हुआ... ऐसे नेचरल कर्म कान्सेस का संकल्प चलता है। लेकिन जिस कर्म का अभ्यास है वह कर्म करते हुए हम साधना में रहें। हाथ-पांव का जो काम है, वह बहुत हल्का है तो उसमें बुद्धि को शिवबाबा के तरफ़ एकाग्र होके लगा सकते हैं। तो हमारा अगर अभ्यास है और थोड़ा भी टाइम हमको मिला तो हम अपनी साधना में गुम हो सकते हैं। गुम होना माना ऐसे नहीं कि सिर्फ अशरीरी हो जाएं, लेकिन इसके साथ कण्ट्रोलिंग पावर भी चाहिए। अगर हमारी साधना अच्छी है तो फिर हमारे से ऐसा कोई उल्टा काम नहीं हो सकता है। अच्छे कर्म का प्रैक्टिकल में प्रत्यक्ष फल अच्छा ही होगा ना। अगर हमारा योग अच्छा था और रिज़ल्ट हुई कि मुरली मिस हो गयी, उल्टे रास्ते में चली गई तो सब हमारे ऊपर हंसेंगे ना। इसीलिए इसका अभ्यास चलते-फिरते भी बहुत चाहिए। जैसे बाबा ने बीच में भी कहा विदेही अवस्था का अभ्यास करो तो भले आप कितना भी बिजी रहते हो लेकिन क्या बीच-बीच में आप थोड़ा सा टाइम नहीं निकाल सकते हो! 2 मिनट, 4 मिनट नहीं निकल सकता है! जैसे ट्राफिक कण्ट्रोल के समय हम टाइम निकालते हैं ना। ऐसे अगर हम साधना का भी अभ्यास करें बीच-बीच में थोड़ा समय भी निकालें तो हम साधना का अनुभव कर सकते हैं लेकिन इसमें अटेन्शन चाहिए, इतना अभ्यास चाहिए।

क्रमशः...

और अंग्रेज अधिकारी को भेजा गया पत्र...

☑ अंग्रेजी सरकार में उस समय अधिकारियों को भी अभय होकर स्पष्ट शब्दो में यह सत्यता बताई ताकि कल को कोई यह उलहना न दे सके।

» **शिव आमंत्रण, आबू रोड।** विदेश में बाबा ने विशिष्ट व्यक्तियों को पत्र में जो-कुछ लिखा उसका नमूना निम्नलिखित पत्रों में मिल जाता है। लार्ड ब्वाइड तथा लार्ड हैलीफेक्स को भेजे गये पत्र का सारांश-

''प्रिय आत्मन्,

हम आपको इस पत्र के साथ जो अनमोल ईश्वरीय साहित्य भेज रहे हैं, उसके अध्ययन से आप जान सकते हैं कि अब परमपिता परमात्मा एक साधारण मनुष्य के तन में अवतरित हुए हैं जिसका नाम उन्होंने 'प्रजापिता ब्रह्मा' रखा है। उस द्वारा वह 5000 वर्ष पूर्व की तरह विश्व को विकारों के पंजे से छुड़ाने का तथा सतयुगी सम्पन्न सृष्टि की पुनः स्थापना का कर्त्तव्य कर रहे हैं। इधर गीता-युग की पुनरावृत्ति हो रही है और उधर एटॉमिक लडाई द्वारा निकट भविष्य में महाभारत-प्रसिद्ध वृत्तांत दुहराया जायेगा। आप यदि ध्यान से इस ईश्वरीय साहित्य का अध्ययन करेंगे तो आपको विश्व के इतिहास के आदि-मध्य-अन्त का ज्ञान हो जायेगा। वर्तमान काल का भी यथार्थ बोध हो जायेगा और सम्भवतः आप अपने धर्म-पिता का साक्षात्कार भी कर सकेंगे... !

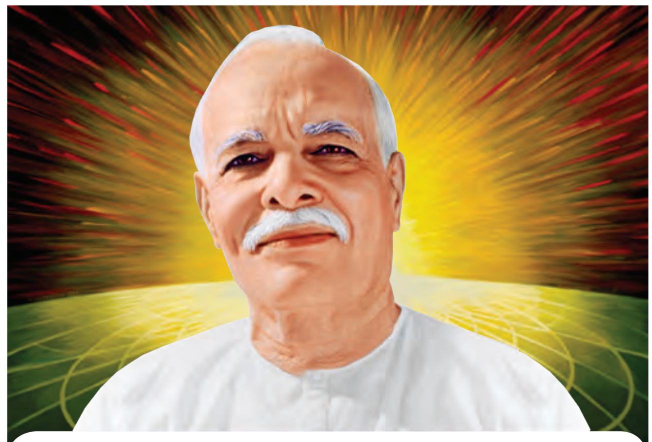

रियल लाइफ

प्रजापिता ब्रह्मा बाबा

संस्थापक, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय

☑ प्रभु इस सृष्टि में आये परन्तु हमें सूचना भी न मिली

आपको मालूम रहे कि यह सृष्टि एक अनादि ड्रामा है जोकि हर 5000 वर्षों के बाद पुनरावृत्त होता है। आप भी इस विराट ड्रामा में एक एक्टर है....।

मैं आपको निमन्त्रण देती हूं कि आप इस अनमोल अविनाशी ज्ञान को, बिना कौड़ी खर्चे, आकर स्पष्ट रीति से प्राप्त कीजिये......।'

इसी प्रकार के पत्र-सिन्ध के गवर्नर मुख्यमन्त्री तथा अन्य मन्त्रियों को और कराची के मेयर आदि-आदि को भी साहित्य सहित भेजे गये थे। सिन्ध सरकार के 'राजनीतिक और विविध विभाग तथा अन्य विभागों के सचिवों को भी ऐसे पत्र लिखे गये थे। उन पत्रों के साथ महाभारी महाभारत लड़ाई नाम की एक पुस्तक तथा सृष्टि रूपी चक्र का चित्र भी भेजा गया था।

भारत के वायसराय तथा इंग्लैंड के राजा और रानी के नाम पत्र भारत के वायसराय लार्ड वेवल तथा उनकी पत्नी को भी साहित्य भेजा गया था। लार्ड वेवल की पत्नी ने लिखा कि- 'मुझे आपका पत्र मिला, आपकी शुभ-चिन्ता के लिए धन्यवाद।' इसी प्रकार वाशिंगटन में ब्रिटिश राजदूत को तथा देश-विदेश के अन्यान्य राजदूतों को भी सृष्टिचक्र का आदि-मध्य-अन्त अंकित करने वाला चक्राकार चित्र और आने वाली महाभारी महाभारत लड़ाई के बारे में प्रकाश डालने वाली पुस्तक ईश्वरीय निमन्त्रण सहित भेजी गयी।

2 मई1947 को जबकि भारत का राजनीतिक बटवारा नहीं हुआ था, तब इंग्लैंड की रानी ऐलिजावेथ को तथा किंग जार्ज सप्तम को पत्र भेजे गये और उनके साथ सतयुग से लेकर कलियुग के अन्त और संगमयुग के इतिहास को दर्शाने वाला कल्प वृक्ष का चित्र भी संलग्न किया गया। इस पत्र में उन्हें लिखा गया है कि किंग जार्ज के रूप में प्रिय आत्मन्

.....आपको मालूम होना चाहिए कि यह सृष्टि एक अनादि नाटक है जो कि हर 5000 वर्ष के बाद पुनरावृत्त होता है। आप भी इस वृहद नाटक के एक एक्टर हैं। क्या आप जानते हैं कि 5000 वर्ष पहले भी आपने इस तरह इंग्लैंड के राजा के रूप में इसी नाम तथा इसी शारीरिक आकृति से पार्ट बजाया था और 5000 वर्ष के बाद फिर आप अपना यह पार्ट दुहरायेंगे।

इस अनादि, पुनरावर्ती ड्रामा में, वर्तमान समय कलियुग के अन्त और सतयुग के आदि का संगम समय है। अब विश्व में कोई भी विकृत धर्म, जैसे कि हिन्दू धर्म, इस्लाम धर्म, बुद्ध धर्म, ईसाई धर्म.... नहीं रहेगा। बल्कि अब सतयुग आयेगा जिसमें कि सबका केवल एक ही सच्चा दैवी धर्म अर्थात् पवित्रता रूप धर्म होगा! भले ही आज ईसाई राष्ट्र यह समझे बैठे हैं कि एटम बमों आदि द्वारा वे विश्व का राज्य प्राप्त कर लेंगे परन्तु वास्तव में यह उनके मन की मिथ्या कल्पना है।

क्रमशः...

प्रेरणापुंज

दादी जानकी

पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़

जीवन में प्योरिटी हो, अंदर में पीस हो तभी जीवन सफल होगा

☑ अन्तिम घड़ी के लिए मन की स्थिति मजबूत बनाएं

» **शिव आमंत्रण, आबू रोड।** हम कहां भी बैठे हैं, किधर भी किसके साथ भी हैं, कोई भी कार्य कर रहे हैं.. काम तो हाथ कर रहे हैं चलो पांव से कहां जा रहे हैं लेकिन स्थिति अन्दर से सदा एकरस ऊंची रहे जिसको कोई नीचे उतार नहीं सकता है।

कम से कम शान्ति स्तम्भ की तरह बन जाओ। बाबा ने अपना यादगार हमारे सामने खड़ा कर दिया - टॉवर ऑफ पीस, लव, नॉलेज - हम ऐसे खड़े हो जाये तो सेवा क्या है? बाबा को प्रत्यक्ष करना कोई बड़ी बात नहीं है, परन्तु स्थिति वह रहे, बनाने वाले ने हमारी स्थिति बनाने के लिए अपना यादगार हमारे सामने खड़ा किया है। बाबा जैसे सदा हमारे सामने खड़ा किया है - बच्चे मैंने जो तुमको प्यार दिया है, ज्ञान दिया है, पॉवर दी है उससे अपनी स्थिति को खड़ा करके रखो। सिर्फ हम उसमें स्थित रहें, प्युरिटी में रहें, पीसफूल रहें। अन्दर खोलके अपने को देखें, मेरे पास अपवित्रता की अंश भी न हो, अशुद्ध संकल्पों की उत्पत्ति रिंचक मात्र न हो। जिसके अन्दर प्युरिटी है उनके पास पीस, लव होगा ही।

शिवबाबा शान्ति का सागर शान्ति भर देता है, ब्रह्मा बाबा पवित्रता का सागर बनाता है क्योंकि वह ऐसा पवित्रता का सागर है। उससे जो प्युरिटी आती है वही पीसफुल, लवफुल और ब्लिसफुल बनायेगी। जिसका दोनों बाप से जिगरी प्यार है उसको बनना आसान है।

जो मीठे बाबा की बातों को भूल और बातों में अपना समय व्यर्थ गंवाये, अपनी स्थिति बनाने की बात को भूल परिस्थितियों के अन्दर में परेशान होता रहे, वह कौन है? परेशान होना, दूसरों को परेशान करना, यह अपने आपको बन्धन में फंसाना है जो बाबा कहते उड़ता पंक्षी के बजाए पिंजरे का पंक्षी बन जाते हैं। तो उड़ता पंक्षी बनने के लिए दो बातों की आवश्यकता है -एक तो लाइफ में प्युरिटी हो, अन्दर में पीस हो, दो के बिगर और तीसरी बात अन्दर कोई भी आई, प्युरिटी में इम्पुअर संकल्प भी आया, वैर भाव का संकल्प आया तो वह इतना पक्का हो जाता है जो छोड़ता ही नहीं है। पूरा अन्दर पिंजड़ा बन करके उसमें फंसा देता है, फिर क्या करें, कैसे करें..फंसाया अपने आपको है। व्यर्थ, अशुद्ध संकल्प बहुत कड़े बन्धन बन जाते हैं उससे छूट ही नहीं सकते हैं। पुराने देह के बन्धन, काम, क्रोध आदि के...वह सब बन्धन तो छूट गये परन्तु यह जो फालतू व्यर्थ संकल्प आते है......इस बन्धन से अभी छूटे नहीं है? इसको छोड़ते ही नहीं है इसलिए छूटता ही नहीं है तो इतना कमजोर क्यों? हमारा ही संकल्प है, हम शान्त नहीं कर सकते हैं। परन्तु अन्दर इतनी प्युरिटी होगी तो संकल्प शान्त होंगे। जरा सा अन्दर अशुद्धि है तो कभी भी वह शान्त नहीं हो सकते हैं। वह कभी प्रेम और धीरज से पांच मिनट भी एकाग्र हो करके नहीं बैठ सकते हैं क्योंकि अन्दर की जो थोड़ी सी भी अशुद्धि है वह ऐसा करने नहीं देगी। शान्ति में जो सुख है, प्रेम है, आनन्द है वह हमारी एक सम्पत्ति है, वह अगर हम अभी बाबा से ले करके फिर सम्हालके नहीं रख सकते हैं तो हमारे जैसा मूर्ख कोई नहीं होगा। इसलिए अभिमान वश कभी यह नहीं समझो कि मैं ज्ञानी हूं या मैं योगी हूं। दिखावे का ज्ञान-योग अभिमान बना देता है। सच्चे को कुछ बोलने की या दिखाने की आवश्यकता नहीं है।

बाबा का सगा बच्चा कौन? जो सदा सुखी हैं, सबको सुख देते हैं। जो क्षीरखण्ड हो करके रहते हैं। यह हमने नहीं किया तो हम कोई काम के नहीं है। जो बाबा ने कहा है वहीं करना है। क्या ऐसे ही कोई हमारी प्रशंसा करेंगे तो हम खुश हो जायेंगे। ऐसा कच्चा फल खाने वाले हम नहीं हैं। इसलिए धीरे से, शान्ति और प्रेम से काम लो, पवित्रता और सत्यता से काम लो। **क्रमशः ...**

हमें विचारों में सदा परमात्म विश्वास, सत्कर्म और करुणा रखनी है: बीके शिवानी

» शिव आमंत्रण, चंडीगढ़। ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा टैगोर थिएटर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विश्व विख्यात मोटिवेशनल स्पीकर बीके शिवानी मुख्य वक्ता रहीं और पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। बीके अनीता ने संस्था की सेवाओं में इस वर्ष के विषय करुणा और दया के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण के बारे में अवगत करवाया। उसके बाद सभी मंचासीन हस्तियों ने दीप प्रज्ज्वलित किया। मंच का संचालन बीके कविता ने किया। मंच पर इनके अलावा पंजाब जोन की डायरेक्टर राजयोगिनी बीके उत्तरा मौजूद रहीं।
राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित ने समाज के प्रति संस्था की सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्था महिलाओं द्वारा संचालित ऐसी सशक्त संस्था है जिसका पूरे विश्व में कोई दूसरा विकल्प नहीं। संस्था के साथ उनका रिश्ता बहुत ही पुराना है और भारत में तकरीबन हर जगह जहां उन्होंने काम किया, वे इस संस्था के साथ जुड़े रहे। जैसे सनातन धर्म पूरे विश्व के कल्याण की बात करता है, वैसे ही विश्व कल्याण के हेतु ये धर्म ध्वज इस संस्था की बहनों ने उठा रखा है।
उन्होंने कहा कि आज हम यहां ज्ञान के लिए ही इकट्ठा हुए हैं क्योंकि ज्ञान से सकारात्मक ऊर्जा मिलती है।

किन्नर समुदाय को राजयोग मेडिटेशन का महत्व बताया

» शिव आमंत्रण, जयपुर/राजस्थान। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय सोडाला, जयपुर सेवाकेंद्र की ओर से समानता ही मानव अधिकार प्रोग्राम का आयोजन होटल सफारी में किया गया। प्रोग्राम की मुख्य वक्ता राजयोगिनी बीके निर्मला दीदी थी। प्रोग्राम के मुख्य अतिथि पुष्पा माई (महामंडलेश्वर पीठाधीश किन्नर अखाड़ा राजस्थान, नईभोर संस्था अध्यक्ष, जयपुर) और नई भोर संस्था ग्रुप के 15 सदस्य ट्रांसजेंडर समुदाय था। निर्मला दीदी ने बताया कि हम सब आत्माएं भाई-भाई हैं और हमें देह के आधार पर किसी को ऊंचा नीचा सम्मान नहीं देना है। मुख्य अतिथि किन्नर पुष्पा माई ने भी बताया कि हम भी भगवान के ही बच्चे हैं। सोडाला सेंटर की इंचार्ज बीके स्नेह ने सभी को राजयोग का अभ्यास कराया और समानता का महत्व बताया।

गुरु तेग बहादुर के 400वें जन्म दिवस पर आध्यात्मिक सत्संग का आयोजन

» शिव आमंत्रण, पानीपत हरियाणा। गुरु तेग बहादुर सिंह जी के 400 वें जन्म दिवस पानीपत के 13-17 सेक्टर में बड़ी धूम धाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम में हरियाणा, पंजाब एवं दिल्ली के लाखों लोगों ने भाग लिया है। यह कार्यक्रम हरियाणा सरकार द्वारा आयोजित किया गया। 400 साला गुरु तेग बहादुर के जन्म उत्सव की शोभा बढ़ाने के लिए आध्यात्मिक विभूति आनंदमूर्ति गुरु मां, महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञानानंद, राजयोगिनी बीके सरला, राजयोगी बीके भारत भूषण एवं अन्य आध्यात्मिक विभूतियों को मंच पर स्थान देकर सम्मानित किया गया। इस जन्म उत्सव पर श्री मनोहर लाल खट्टर, मुख्यमंत्री हरियाणा, उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, पूर्व मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र हुड्डा एवं श्री कंवरपाल, कैबिनेट मिनिस्टर हरियाणा एवं अन्य राजनैतिक नेतायें भी शामिल थे। इस कार्यक्रम में राजयोगिनी बीके सरला एवं बीके भारत भूषण ने मनोहर लाल खट्टर, मुख्यमंत्री हरियाणा, पूर्व मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र हुड्डा एवं श्री कंवरपाल, कैबिनेट मिनिस्टर हरियाणा एवं आनंदमूर्ति गुरु मां को ईश्वरीय सौगात देकर सम्मानित किया।

शिविर में 400 लोगों की जांचीं आंखें, 42 मरीजों को ऑपरेशन के लिए जालौर हॉस्पिटल भेजा

» शिव आमंत्रण, भीनमाल/राजस्थान। राजकीय बालिका माध्यमिक विद्यालय में नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन स्वर्गीय श्रीमती पवनी देवी पारसमल जी सोनी की प्रथम पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में सोनी परिवार की तरफ से आयोजित हुआ। ब्रह्माकुमारीज राजयोग केंद्र भीनमाल के द्वारा यह 124 वां नेत्र चिकित्सा शिविर था। जिसमें 358 मरीजों की आंखों की जांच हुई एवं 42 मोतियाबिंद के मरीजों का चयन कर जालौर हॉस्पिटल में भेजा गया।
इस कैंप के उद्घाटन अवसर पर दानदाता पारसमल जी सोनी, दासपा सरपंच विरेंद्र सिंह राठौड़, उपसरपंच दिनेश जी पुरोहित, दैनिक भास्कर के पूर्व संवाददाता एवं राजनेता श्रवण सिंह राठौड़, कोरा ग्राम के सरपंच खेमराज देसाई, बीके गीता मुख्य रूप से मंच पर उपस्थित रहे। बीके गीता ने सभी को मानव सेवा का अवसर लेकर पुण्य प्राप्त करने की प्रेरणा दी। आंखों की जांच के विषय में भी मार्गदर्शन दिया और दानदाता परिवार का सम्मान भी किया।
दीप प्रज्वलन में समस्त महानुभावों ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम की प्रशंसा की। इस कैंप में जालौर स्थित ग्लोबल फतेह आई हॉस्पिटल की टीम ने सेवाएं दी। साथ ही प्रकाश जी सोनी, महेंद्र जी सोनी एवं परिवार ने भी सबकी सेवाएं की। जालौर अस्पताल के आई केयर मैनेजर ललित ने गर्मी के समय में आंखों की हिफाजत करना ऑपरेशन के बाद सावधानी रखना यह सब समझाया।

मेडिटेशन, मेडिसीन, रक्तदान के साथ नि:शुल्क जांच शिविर जैसी सेवाएं भी कर रही ब्रह्माकुमारीज़

» शिव आमंत्रण, मेहुलनगर/गुजरात। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय राजकोट मेहुलनगर दिव्य दर्शन के प्रांगण में आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर थीम के अंतर्गत 1 मई गुजरात स्थापना दिन पर रक्तदान महादान, नि:शुल्क सर्व रोग जांच फ्री दवाई शिविर का आयोजन किया गया। इस आयोजन में नाथाणी ब्लड बैंक रोग विशेषज्ञ डॉ. टीम और पीआई कैया मेडम, बीके अंजुबेन को आमंत्रित किया गया। बीके अंजूबेन ने पहले शिविर में आए हुए लोगों को संबोधित करते हुए रक्तदान महादान का महत्व और प्रेरणा दाई बातों को सांझा किया। शिविर का ओपनिंग कैया मेडम, बीके अंजूबेन, बीके चेतनाबेन, समाज सेवा ग्रुप चेयर मैन चिरागभभाई, राजेंद्रभाई, बीके मोनिकाबेन और सर्व डॉक्टरों ने दीप प्रज्ज्वलन करके किया। उसके पश्चात् रक्तदान और सर्व रोग जांच की शुरुआत हुई। आयोजन की शुरुआत में राजकोट मेहुलनगर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके चेतना बहन ने मेहमान और रक्तदाताओं सभी का स्वागत करते हुए कहा कि रक्तदान मानव जीवन का एक महत्वपूर्ण दान है जिनकी हर किसी को कभी भी बहुत ही आवश्यक है क्योंकि यही हमें इस जीवन में रक्त की बूंद की कीमत कराती है।

3000 दर्शकों के सामने साक्षात् देवी-देवता बन मंत्रमुग्ध किया, दिया परमात्म संदेश

» शिव आमंत्रण, ओरवाकल्लू/आप्र। श्री रामनवमी के शुभ अवसर पर स्थानीय ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव पर स्वर्णीम भारत की ओर देश को ले जाने के लिए आध्यात्मिक ज्ञान के साथ राधा-कृष्णा सहित कई जीवंत देवी देवताओं का रूप धारण कर बहनों द्वारा वहां के करीब 3,000 दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मन्सा द्वारा शक्तियों का दान, वाचा द्वारा ज्ञान दान और कर्म द्वारा गुणों का दान करो

समस्या समाधान

ब्र.कु. सूरज भाई
वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षक

पिछले अंक से क्रमशः

भगवान की नजर तुम पर है तुम्हारी नजर कहां है?

हम सभी आत्माओं का जीवन बहुत महान है। मैं तो देखता था साकार में ब्रह्माबाबा खास कर कुमार-कुमारियों का विशेष आह्वान किया करते थे। कई तरह से उन्हें दुनियावी बातों से छुड़ाकर कहते कि भगवान की सेवा में लग जाओ, क्योंकि इससे जनम जनम का अनेक कुलों का कल्याण होता है। वर्तमान समय संसार को भी अध्यात्म कि भी बहुत ज़रूरत है। अध्यात्म का अर्थ होता है आत्मा की प्योरिटी को बढ़ाना, आत्मिक स्वरूप में टिकना, सर्वशक्तिमान शिव बाबा से कनेक्ट होकर उससे योग युक्त होना ताकि उसकी सभी क्वालिटीज हमारे अंदर आ जाए। तो सभी कुमार कुमारियां कन्याएं विचार करें कि भगवान हमारा आह्वान कर रहा है, छोटी बात तो नहीं है ना। जिसका आज तक आह्वान हम करते रहे, जिसको युगों से हम बुलाते रहे, वो अब हमें बुला रहा है। जिससे मदद मांगते रहे वो अब हमें मदद के लिए बुला रहा है आओ बच्चे मेरे इस महान कार्य में मदद करो। हम समझ सकते हैं जो आत्माएं उसकी दिव्य कार्य में मदद करेगी उसको उसकी मदद भक्ति में भी प्राप्त होगी और अब विनाश काल में भी प्राप्त होगी। तो सभी विचार करेंगे कि हम भगवान के कार्यों में लग जाएं। दो ही चीज़ें है एक प्योरिटी की बात दूसरी डर। डर यह होता है कि सेंटरों में रहें या ना रहें, क्योंकि दो तीन बहनों का रहना आपस में इतना ईजी नहीं होता, उन्हें डर रहता है कि टकराव ना हो, द्वेष न हो, नफ़रत ना हो, ये सब होता है जीवन में। लेकिन जो ज्ञानी है उन्हें सीख लेना चाहिए कि हम सहनशील बनेगें। हम अपनी योग्यताओं को खुद आगे बढ़ाएंगे। अगर दूसरा आगे बढ़ रहा है उसे देख के खुश होंगे, उसे और आगे बढ़ाएंगे। ये संकल्प सभी को कर लेनी चाहिए। जो व्यक्ति सहनशील है, जो व्यक्ति सुनने की शक्ति रखता है वो जीवन में सब जगह सफल होते हैं। यह सफलता का मूल मंत्र है इसलिए बहुत ध्यान देना है कि हमारी मन की स्थिति नाज़ुक न हो कि हमें डर लगता रहे, घर से उठकर सेंटर जाए तो घर ही याद आता रहे, मोह सताता रहे कहां फंस गए। कहां बंध गए हम, हम तो स्वतंत्र थे शादी करते, किसी और घर में जाते, ये सब संकल्प छोड़ देने होते हैं। जो सहनशील है जिसने मन बना लिया है कि सहन करके ही हमें आगे बढ़ना हैं, सहनशीलता हमारा श्रृंगार है वो कहीं भी भयभीत नहीं होते हैं। सहनशीलता में कभी-कभी ऐसा भी होता है एक व्यक्ति सहन करता है दूसरा दबाता रहता है, बुरा बोलता रहता है, कमेंट्स करता रहता है तो जो अति सहनशील है वो डिप्रेशन में आ जाते हैं, क्योंकि वो व्यक्ति अपना काम बंद नहीं करता, देखता है यह तो बहुत सहनशील है उसको सताता रहता है। ऐसे में सहनशीलता को अपनी कमज़ोरी नहीं बनने देना चाहिए, सहन शक्ति भी धारण करनी चाहिए और अच्छे शब्दों में बुरे शब्दों का जवाब भी देना चाहिए। लेकिन भगवान के कार्यों में लग जाना यह बहुत बड़ा भाग्य है। यह अवसर दुबारा नहीं आएगा और मैं खास कर बहनों को भी कहूंगा कि सभी एक दूसरे के गुडफ्रेंड बनें। सेंटर पर कोई ज़्यादा पढ़ी लिखी होती है कोई कम फिर भी सब एक दूसरे को सम्मान दें, सभी कार्यों में हाथ बटाएं। ये नहीं कि जिसकी भोजन बनाने की ड्यूटी है वह अकेली ही भोजन बनाती रहे उसको मदद दें। सब मिल जुलकर अगर करते हैं तो सेवाकेंद्र का वातावरण बहुत सुन्दर रहता है। खुशियों भरा प्यार रहता है। एक व्यक्ति काम कर रहा है दूसरा देख रहा है तो इससे मन उदास होता, मन में हीन भावनाएं आती है। तो सभी को अपना हुनर बाबा के कार्यों में लगाना है और अपने अध्यात्म की शक्ति को बढ़ाना है। आजकल मानसिक रोग बहुत बढ़ गया है बहुत ज़्यादा सोचने की आदत, भय, अनकन्ट्रोल्ड माइंड, ये सब बहुत बढ़ते जा रहे हैं। प्योरिटी की शक्ति भी तब आएगी जब आप योगी बनेगें। कई कुमारियां योग मुक्त हो जाती है फिर अपवित्रता उन्हें खींचने लगती है फिर वह अपने को रोक ही नहीं पातीं। माया के पास चली जाती बहुत दुःख उठाती है। माया में सुख नहीं है, शादियों में सुख नहीं है, डिवोर्स ही होते हैं आजकल। तो मैं आप सबको कहूंगा आध्यात्मिक शक्तियों से अपने को भरपूर करो। पवित्र जीवन का सुख लेना है तो याद रखना पूरे दिन में कम से कम चार घंटे का योग होना ही चाहिए।

बुद्धि से कर्म करें तभी स्थिति में सुधार होगा

स्व-प्रबंधन

बीके ऊषा
स्व-प्रबंधन विशेषज्ञ, माउंट आबू

☑ भाग्य का सदुपयोग करने के लिए बुद्धि चाहिए। बुद्धि में विवेक की धार को तेज़ करते जिससे सही कर्म करने की सूझ आती है।

पिछले कहानी का मतलब यह है कि जीवन में इन्सान कितने भी कर्म कर ले लेकिन अगर बुद्धि से कर्म न करे तो स्थिति में कोई फर्क नहीं पड़ता और बुद्धि के बिना भाग्य व्यक्ति को आलसी बना देता और गलत आदतों के शिकार हो जाने से वह भाग्य भी साथ छोड़ देता परन्तु अगर बुद्धि से कोई भी कर्म करे तो भाग्य भी साथ देने लगता है। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि भाग्य मिल जाने से स्थिति में सुधार हो जायेगा, ऐसी बात निश्चित नहीं है। भाग्य का सदुपयोग करने के लिए बुद्धि चाहिए। दूसरी तरफ इन्सान केवल कर्म ही कर ले और उसी से उसकी स्थिति में सुधार आ जाए, ऐसा भी नहीं होता है क्योंकि कर्म करने की समझ चाहिए अन्यथा व्यर्थ कर्म में अपनी शक्ति को गंवाता रहेगा और प्राप्ति कुछ नहीं होगी। दोनों का फल पाने के लिए बुद्धि अति आवश्यक है। कर्म करने की विधि को जानने के लिए भी और उसके आधार पर जो भाग्य मिलता है उसे सदा स्थायी रखने के लिए भी। इसलिए तीनों में अगर कोई प्रबल है तो बुद्धि है। यही कारण है कि परमात्मा जो बुद्धिमानों की बुद्धि है वह मनुष्यात्माओं को आध्यात्मिक ज्ञान देकर बुद्धि में विवेक की धार को तेज़ करते जिससे सही कर्म करने की सूझ आती है। बुद्धि के हिसाब से अगर पुरूषार्थ करें, तो प्रालब्ध सदा स्थायी रहती है। यह है कर्मों की गुह्य गति का ज्ञान। योगाभ्यास की विधि.......अब कुछ क्षण के लिए हम योगाभ्यास करने बैठते हैं..... अपने ध्यान को सभी बातों से समेटकर स्वयं को आत्म निश्चय कर लें...... धीरे-धीरे अपने मन और बुद्धि को परमधाम की ओर ले चलें..... और परमधाम में स्थित पिता परमात्मा शिवबाबा को अंतर्चक्षु से देखें.... मेरे मात पिता कितने तेजोमय स्वरूप है... सर्वशक्तिमान हैं.....प्रेम के सागर, क्षमा के सागर हैं... मैं स्वयं को कितना खुशकिस्मत महसूस करती हूं कि इस जन्म में ज्ञान सागर

परमात्मा से संसार के पूरे आदि मध्य अन्त का ज्ञान मुझे प्राप्त हुआ...दिव्य चक्षु विधाता ने मेरे ज्ञान के दिव्य चक्षु खोल दिये...जिससे मैं अपने तीनों कालों को स्पष्ट देख सकती हूं... साथ ही मुझे कर्म की गुह्य गति का ज्ञान भी प्राप्त हुआ और मैं अपने ही कर्म दर्शन कर सकती हूं... सतयुग और त्रेतायुग के 20 जन्मों में तो मैंने श्रेष्ठ कर्म का प्रालब्ध सर्व प्रकार का सुख भोगा...द्वापरयुग और कलयुग में आते अज्ञानता के कारण मैंने जाने अनजाने-पन में बहुत पाप का खाता इक्ठ्ठा कर दिया.... अब इस संगमयुग में परमात्मा के सानिध्य में और श्रेष्ठ संग में मुझे अपने श्रेष्ठ कर्म का खाता जमा करना है... परन्तु उसके लिए मुझे अपने पिछले पाप कर्म के खाते को समाप्त करना है... और उसके लिए परमात्मा माता-पिता के सम्मुख अपने इस जन्म के देह अभिमान में किये एक-एक पाप कर्म को याद करते हुए अपने पिता परमात्मा से क्षमा मांगती हूं.... क्षमा के सागर परमात्मा मुझे मेरे गुनाहों का क्षमा दान दे रहे हैं... मैं धीरे-धीरे स्वयं को उस बोझ से हल्का होते हुए महसूस कर रही हूं..... और बाकी अनेक जन्मों के पाप कर्मों को भस्म करने के लिए मैं बीज स्वरुप शिवबाबा से शक्तिशाली सकाश प्राप्त करती जा रही हूं.... मैं महसूस कर रही हूं कि मेरे कई जन्मों के पाप कर्म दग्ध होते जा रहे हैं... मुझ आत्मा का मैल धुलता जा रहा है.... और मैं स्वच्छ होती जा रही हूं... धीरे-धीरे मेरा स्वरुप निर्मल होता जा रहा है... और मैं स्वयं को एकदम हल्के पन में महसूस कर रही हूं...

क्रमशः ...

जीवन का श्रेष्ठ लक्ष्य है संपूर्ण पवित्रता

आध्यात्मिक उड़ान

डॉ. सचिन
मेडिटेशन एक्सपर्ट

☑ अंतर्मन ▸ निर्विकारिकता से संपूर्ण पवित्रता की ओर जाना है।

☑ अगर मन में व्याकुलता है अर्थात् कोई न कोई विकार है।

इस समय यह धरती विकारों के कारण नरक बन चुकी है। ऐसी धरती पर भगवान का अवतरण और इस सृष्टि का परिवर्तन होता है। यह वो समय है जहां झूठ का वार्तालाप है, सब जगह विकार ही विकार है। ऐसी धरातल पर लक्ष्य रखना सम्पूर्ण पवित्रता का और उसे पा लेना ये बहुत बड़ी बात है। प्योरिटी प्रॉपर्टी है। इस पवित्रता की नौ परिभाषाएं हम क्रमशः देखेंगे...

1) **निर्विकारीता–** अपने मन को शुद्धता से भर संपूर्ण निर्विकारीकता का लक्ष्य रखना है परंतु उसके पहले विकारों का डायग्नोसिस इम्पोर्टेन्ट है। हमारे अंदर जो विकार है उसको हमने अलग-अलग रीति से ढका है और अलग-अलग नाम दिए। हम सोच रहे हमारे अंदर कोई घृणा नहीं और किसी न किसी आत्मा के प्रति अंदर सूक्ष्म घृणा बैठी हुई है। किसी और को देखना ही नहीं है कोई क्या कर रहा है? यह मन का ऑपरेशन है। ऑपरेशन बड़ा गहरा है। इतने गहरे ऑपरेशन के लिए गहरा मौन चाहिए तो ही ऑपरेशन हो सकता है। उसी मन में हमें दिखाइ देगा कि हमारे अंदर इतना अभिमान, सूक्ष्म अहंकार है। ऊपर से तो कहते हैं निमित्त लेकिन वो भी निमित्त मात्र ही है, उस निमित्तपन का भी अभिमान है कि मुझे निमित्त बनाया तुमको नहीं। तो यह अध्यात्म मार्ग है निर्विकारिकता से सम्पूर्ण पवित्रता की ओर जाना है। जैसे ही विकार मन में जागता है, व्याकुलता होती है। अगर मन में व्याकुलता है अर्थात् कोई न कोई विकार है। जब सारा डर ख़त्म हो जाए, खालीपन ख़त्म हो जाएगा तब समझना निर्विकारिता की अवस्था धीरे-धीरे आ रही है।

2) **ब्रह्मचर्य–** एक है ब्रह्मचर्य जिसका संबंध काम विकार से है और एक है प्योरिटी पवित्रता जिसका आधार ब्रह्मचर्य है। ब्रह्मचर्य आर्थत् काम विकार समाप्त हो जाए, उसके लिए बहुत काम करना पड़ेगा क्योंकि मनुष्यों ने सबसे ज़्यादा विकर्म काम विकार के द्वारा ही किए हैं। काम विकार में जितना देह का भान हैं उतनी क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार में नहीं है इसलिए इस पर बहुत काम करना पड़ेगा क्योंकि इसके साथ शरीर जुड़ा हुआ है।

शरीर में हलचल होती है। मन से तो समझ लिया ये खराब हैं होना नहीं चाहिए, परंतु शरीर मजबूर कर, वश कर देता है, इसलिए जितना हो सके पवित्र वायुमंडल पवित्र स्थानों पर ज़्यादा से ज़्यादा समय बिताना है। ब्रह्मचर्य अर्थात् आत्मिक दृष्टि, ब्रह्मचर्य अर्थात् आत्मिक स्वरूप का अभ्यास।

3) **स्वच्छता–** बाहरी स्वच्छता और अंदर स्वच्छता बहुत जरूरी है। जो किचन है उसकी भी स्वच्छता, जो कमरा है उसकी भी स्वच्छता। सेंटर जैसे स्वच्छ रहता है वैसे ही हमारा घर आश्रम बन जाए। एक योग का प्रयोग है अपने घर के दरवाज़े से चालू करना और एक-एक दीवार को प्योरिटी की सकाश देना, कमरे का छत नीचे, किचन, एक-एक बर्तन को प्योरिटी की किरणें देना बैठे-बैठे ही योगों में। सारा घर प्योर हो जाए वहां के जो लोग चाहे विरोध भी करते हो उनको भी प्योरिटी की सकाश देते जाना। एक है बाहर की सफ़ाई दूसरी है आंतरिक सफ़ाई। शरीर की भी सफ़ाई होनी चाहिए। जब तक आंतरिक सफ़ाई नहीं होती है बस डाले जा रहे हैं उसमें, खाए जा रहे हैं। व्रत से आंतरिक सफ़ाई करनी है, सब कचरा अंदर का निकल जाए, शरीर हल्का लगे फ़रिश्ता जैसे। जितनी आतों की सफ़ाई होगी भूख का पता नहीं चलेगा। सबसे ज़्यादा देहभान में लाने वाली चीज़ है भोजन। धीरे-धीरे योगियों का भोजन सूक्ष्म होते जाता है, कोई आसक्ति नहीं रहती है चाहे कुछ भी रखा हो। भोजन कम करते जाना है तीन बार का दो बार दो बार एक बार और जो एक बार पर है वो उसको भी कम कर दें। धीरे-धीरे सूक्ष्मता की ओर जाना है।

तपस्या से ही कला में निखार आता है, असली संगीत वो है जो मन के तार ईश्वर से जोड़ दे: हंसराज हंस

ओआरसी में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ करते अतिथि।

हर कर्म को कला के रूप से करना ही सबसे बड़ा कलाकार होना है।

शिव आमंत्रण, गुरूग्राम/हरियाणा। संगीत वो है जो मन के तार ईश्वर से जोड़ दे। जिसको सुनते ही ऐसा लगे कि ये स्वयं परमात्मा के दर से आ रहा है। उक्त विचार भारतीय लोकसभा के माननीय सदस्य पद्मश्री हंसराज हंस ने ब्रह्माकुमारीज के कला एवं संस्कृति प्रभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किये। गुरूग्राम स्थित ओम शान्ति रिट्रीट सेन्टर में 'अमृत महोत्सव की लहर, कला की नवीन प्रहर' विषय पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि ये मानव शरीर परमात्मा की सबसे बड़ी देन है। इसके द्वारा हमें वो श्रेष्ठ कर्म करने हैं, जिनमें मानव जीवन का हित हो। उन्होंने कहा कि संगीत से मेरा जुड़ाव बचपन से ही रहा। संगीत एक ऐसी साधना है जो मन को एकाग्र कर ईश्वर के समीप ले आती है। साथ ही उन्होंने अपनी मधुर और सुरीली आवाज़ में एक बहुत सुन्दर भजन गाकर सभी को परमात्म स्नेह के रस में भिगो दिया।

ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी आशा ने कहा कि कला एवं संस्कृति आत्मा के मूलभूत गुण हैं। हर आत्मा एक कलाकार है। उन्होंने कहा कि परमात्मा जोकि परम कलाकार भी है, उसने हर आत्मा के अन्दर कोई न कोई कला अवश्य दी है। उन्होंने कहा कि हर कर्म को कला के रूप से करना ही सबसे बड़ा कलाकार होना है। कला वास्तव में एक तपस्या है। तपस्या से ही कला में निखार आता है। कला एवं संस्कृति प्रभाग के अध्यक्ष बीके दयाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि जब हम हर कर्म में परमात्मा को याद करते हैं तो वो हमारी मदद अवश्य करता है। उन्होंने कहा कि वास्तव में परमात्मा ही हमारा सच्चा मनमीत है। राष्ट्रीय संयोजक बीके पूनम ने संस्था का परिचय देते हुए कहा कि कला के प्रति समर्पण भाव ही एक श्रेष्ठ कलाकार को जन्म देता है। मुख्यालय संयोजक बीके सतीश ने कहा कि हमारा उद्देश्य पुनः उस आदि सनातन दैवी संस्कृति की स्थापना करना है। दिल्ली, करोलबाग सेवाकेन्द्र प्रभारी राजयोगिनी बीके पुष्पा ने सभी को राजयोग के अभ्यास से शान्ति की गहन अनुभूति कराई। उन्होंने कहा कि योग से ही एक कलाकार अपनी कला में नवीनता ला सकता है। संचालन बीके भावना एवं बीके रचना ने किया।

यौगिक खेती में प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर जमीन को शक्तिशाली और उपजाऊ बना सकते हैं: बीके राजू

शिव आमंत्रण, पिंपलगांव/महाराष्ट्र। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, नासिक के प्रमिला लॉन में भव्य आत्मनिर्भर किसान सम्मेलन का आयोजन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पाशा भाई पटेल, माउंट आबू से राजयोगी बीके राजू, इचलकरंजी से कृषि विशेषज्ञ बालासाहेब रूगे, कृषि अधिकारी धनंजय वार्डेकर, सह्याद्री फार्म के विलास शिंदे, पुणे उप-क्षेत्र निर्देशिका बीके सुनंदा, नासिक उप-क्षेत्र की मुख्य निर्देशिका बीके वासंती, सरपंच पिंपलगांव अलकताई बनकर आदि मान्यवर ने इस अवसर पर दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। ब्रह्माकुमारीज संस्था के मुख्यालय माउंट आबू से विशेष रूप से उपस्थित कृषी एवं ग्राम विकास प्रभाग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बीके राजू ने कहा कि शाश्वत यौगिक खेती एक सुंदर पर्याय बनकर सामने आया है।

जिसमें प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करके जमीन को शक्तिशाली और फसल को सुरक्षित रखा जाता है। साथ में हमारे अच्छे विचारों का प्रयोग प्रकृति के ऊपर किया जाता है, जिसके बहुत अच्छे परिणाम सामने आया है। प्रमुख वक्ता के रूप में उपस्थित पाशा भाई पटेल ने भी विचार व्यक्त किए। इचलकरंजी के एक प्रयोगशील किसान बीके बालासाहेब रूगे ने कहा कि अपने विचारो में अलौकिक शक्ती होती है। इन विचारों के प्रकम्पन से हम अपनी जमीन, बीज और फसलों को आध्यात्मिक स्पंदन देते हैं।

संदेश | **मेकिंग हेल्दी एंड करप्शन फ्री सोसायटी कार्यक्रम आयोजित**

जीवन में सच्चाई, ईमानदारी जरूरी: बीके पूनम

शिव आमंत्रण, फरीदाबाद/हरियाणा। प्रसिद्ध आरटीआई एक्टीविस्ट वरुण श्योकंद की टीम ने 'मेकिंग हैल्दी एंड करप्शन फ्री सोसायटी' नाम से एक पब्लिक कांफ्रेंस का आयोजन किया, ये आयोजन नीलम बाटा स्थित ब्रह्माकुमारीज आश्रम के सहयोग से हुआ। जिसमें पूर्व डीजीपी शील मधुर मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे। इस अवसर पर पदम भूषण डॉ. ब्रह्मदत्त, आइपीएस नितिन अग्रवाल, एचपी सिंह, गेस्ट ऑफ आनर के रुप में पधारे डीजीपी श्री राजेश चेची और प्रसिद्ध अधिवक्ता ओपी शर्मा उपस्थित थे।

बीके पूनम ने कहा कि भ्रष्टाचार का अर्थ सिर्फ पैसे तक ही सीमित नहीं होता इसका अर्थ है हर तरह भ्रष्ट आचरण वाला। रिश्वत का पैसा कभी भी फलता बरकत नहीं देता बल्कि ऐसा धन दुःख, अशांति, परेशानी लेकर आता है। इस मौके पर मुख्य रुप से समाज से किस प्रकार भ्रष्टाचार को मिटाया जा सके इस विषय पर खुलकर चर्चा हुई। अपने विचार रखते हुये अतिथियों ने कहा कि सिर्फ कानून के दम पर भ्रष्टाचार को मिटाया नहीं जा सकता। जब तक जीवन सच्चाई और ईमानदारी जैसे नैतिक मूल्यों को धारण नहीं किया जायेगा तब तक इस समस्या का समाधान असंभव है। हमें एक ऐसे समाज का निर्माण करना हो जिसमें पैसे और पद को महत्व ना देकर लोगो के दुःख दर्द और समस्याओं को दूर किया जा सके। कोरोना काल में मानवता की सेवा करने वाले, पर्यावरण संरक्षण, भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्य करने वाले कर्म योद्धाओं को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मुख्य रुप से वरुण श्योकंद, राजेश वशिष्ठ, अनीश पाल, बाबा रामकेवल, जिला बाल कल्याण अधिकारी कमलेश शास्त्री, जसवंत पंवार, मिशन जागृति के प्रवेश मलिक ने भाग लिया।

नई राहें

बीके पुष्पेन्द्र
संयुक्त संपादक, शिव आमंत्रण

'खुशी' का दान

शिव आमंत्रण। दान अर्थात् देना। देने का भाव, मदद का भाव, सहयोग का भाव और अर्पण करने का भाव। दान चाहे स्थूल हो, दुआओं का हो या खुशी का दान सभी का अपना महत्व है। रोजाना की जिंदगी में हम चलते-फिरते, कार्य व्यवहार में आते खुशी का दान कर सकते हैं। खुशी एक ऐसा दान है जितना आप दूसरों के साथ बांटेंगे उतने गुना रिटर्न मिलता है। हम किसी का हंसता-मुस्कुराता चेहरा देखकर बरबस मुस्कुरा देते हैं। हम सारा दिन खुश रहकर कर्म व्यवहार करें तो हमसे मिलने वाले जाने-अनजाने सैकड़ों लोग मुस्कुराता चेहरा देखकर कुछ पल के लिए ही सही खुशी लेकर जाएंगे। हम बिना मेहनत और परिश्रम के खुद खुश रहकर अनेकों के जीवन में खुशी लाने का जरिया बन सकते हैं। खुशी से रचनात्मकता और कार्य क्षमता का भी विकास होता है। जब हम खुश होते हैं तो मन में शक्तिशाली, उम्र बढ़ाने वाले हार्मोन पैदा होते हैं। इससे हमारा मन तो स्वस्थ रहता ही है, तन भी स्वस्थ रहता है। वैज्ञानिक भी शोध में साबित कर चुके हैं कि बीपी, हार्ट, शुगर जैसे अनेक बीमारियों का मुख्य कारण खुशी की कमी और तनाव ही है।

मन की अवस्था है खुशी-

खुशी मन की एक अवस्था है। जब हम जीवन की सच्चाई को गहराई से जान लेते हैं तो सम और विषम दोनों परिस्थितियों में एक समान रह पाते हैं। मन और विचारों में समभाव होने से खुशी हमारी पूंजी बन जाती है। हमें उन कारणों की गहराई और सावधानी पूर्वक समीक्षा करने की जरूरत है जिनसे हमारी खुशी गायब हो जाती है। परमात्मा कहते हैं कि सदा खुश रहना है तो संसार से उपराम रहने का अभ्यास करना होगा। जहां आकर्षण है, लगाव है, इच्छा है, आशा है वहां खुशी नहीं रह सकती है। इसके लिए पहली और अनिवार्य शर्त है कि जीवन में देने के भाव को शामिल करना होगा। जीवन का ध्येय वाक्य हो कि मुझे सिर्फ देना है। खुशी ही एकमात्र और दुर्लभ दान है जो रिटर्न में तुरंत मिलता है। जितना आपके बांटने का दायरा बड़ा होगा, रिटर्न भी उसके अनुपात में मिलता जाता है।

जैसे हम अपने जीवन में धन की संभाल करते हैं वैसे ही अपनी खुशी की संभाल करें।

आत्मा का स्वाभाविक गुण है खुशी-

खुशी आत्मा का स्वाभाविक गुण है। लेकिन आत्म विस्मृति होने से हम उसे भूल गए हैं। खुशी को बाहरी वस्तु समझ लिया है। एक बच्चा सदा हर हाल में, हर परिस्थिति में खुश रहता है। अपनी मस्ती में, अपनी धुन में मस्त। क्योंकि उसे कुछ पाने की आस नहीं होती है। अपनी तुलना दूसरों से करने से भी खुशी गायब हो जाती है। विचार करें मैं इस दुनिया में सबसे अनोखा हूं। मैं उपयोगी हूं। मेरा जीवन सार्थक है और मेरी अपनी एक छोटी अलग पहचान है। अपने आप को संकल्प दें कि मेरी ऊर्जा, मेरी आत्मा मुस्कुरा रही है। मेरी मुस्कुराहट का ओरा मेरे चारों ओर है। मैं बहुत खुश आत्मा हूं। खुशी मेरा संस्कार है। यदि भोजन बनाते संकल्प कर सकते हैं कि इस भोजन को ग्रहण करने वालों को बहुत खुशी मिलेगी। आप जिस व्यवस्था से जुड़े हैं, जो आपका कर्मक्षेत्र है उसे खुशी के विचारों, संकल्पों से अपने चारों ओर बाइब्रेशन फैला सकते हैं। खुशी सबसे पहले अपने विचारों में लाना होगी। इसके लिए जरूरी है कि हम जो कर्म कर रहे हैं उसे खुश होकर करें, न कि खुशी के लिए करें। एक भवन निर्माण करने वाले कारीगर ने अपनी खुशी का राज बताया कि मेरा प्रयास रहता है कि कम से कम संसाधनों में बेहतर कार्य करना। किसी से आस नहीं। जीवन में जो मिला है उसे स्वीकार करना

सूत्र यह है कि खुशी जैसी कोई खुराक नहीं है। जैसे हम अपने जीवन में धन की संभाल करते हैं वैसे ही अपनी खुशी की संभाल करें। खुशी बनाए रखने के लिए हर पहलु पर गौर करें जो इसे बनाए रखते हैं। परमात्मा कहते हैं कि सबकुछ चला जाए लेकिन आपकी खुशी न जाए। खुशी है तो सबकुछ है। खुशी अपने आप में दवा भी है और दुआ भी है।

निश्चयबुद्धि होकर उमंग को तीव्र बनाओ तो इच्छायें पूर्ण हो जायेंगी

आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर

संवेदनशील] मनुष्य केवल एक भौतिक शरीर नहीं, बल्कि एक संवेदनशील आत्मा है

आत्मा शरीर को नियंत्रित करती है: बीके संतोष

- खेल में जाने का अर्थ है किसी के व्यक्तित्व के भौतिक पहलू को विकसित करना

कार्यक्रम के बाद रशियन अधिकारियों के साथ मध्य में बीके संतोष।

» शिव आमंत्रण, सेंट पीटर्सबर्ग। ब्रह्माकुमारीज सेंट पीटर्सबर्ग की डायरेक्टर बीके संतोष दीदी को रूस और भारत के बीच भाईचारे और दोस्ती की भावना में युवा पीढ़ी के आध्यात्मिक और नैतिक विकास के उद्देश्य से सांस्कृतिक और शैक्षिक गतिविधियों के लिए' प्रशंसा पत्र प्राप्त हुआ। दीदी को इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ चिल्ड्रन एंड यूथ टूरिज्म के अध्यक्ष श्री दिमित्री स्मिरनोव द्वारा प्रशंसा पत्र सौंपा गया। यह समारोह सेंट पीटर्सबर्ग में आयोजित बारहवीं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'आधुनिक दुनिया में छात्रों का शारीरिक विकास और समाजीकरण' के पूर्ण सत्र के दौरान हुआ। यह वार्षिक सम्मेलन विशेष रूप से इस देश में खेल विकास के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक प्रभावशाली मंच है।

ब्रह्माकुमारीज कुछ वर्षों से अपने इस सत्रों में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है। विशेष रूप से खेल और पर्यटन के क्षेत्र में मूल्य शिक्षा के लिए आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग ध्यान के अनुप्रयोग पर लेख और प्रस्तुतियां सम्मेलन की कार्यवाही में प्रतिवर्ष प्रकाशित की जाती हैं। दर्शकों को संबोधित करते हुए सेंट पीटर्सबर्ग स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी एंड डिज़ाइन के अध्यक्ष, ओलंपिक कांस्य पदक विजेता, श्री विक्टर रोमानोव ने कहा कि 'मैं भारत से आये प्रिय अतिथि का बहुत आभारी हूं। प्राचीन भारतीय सभ्यता में हमारे सम्मान, नम्रता, आत्म-सम्मान और दूसरों के प्रति सम्मान के मूल्यों के साथ बहुत कुछ समान है।' इसके अलावा उन्होंने कहा कि खेलों में सफलता की कुंजी किसी

की बुद्धि और शारीरिक क्षमताओं के बीच सामंजस्य सुनिश्चित करना है। 'जब आप केवल शारीरिक रूप से नहीं, बल्कि अपनी बुद्धि से खुद को अनुशासित करेंगे, तो आप किसी भी कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करने में सक्षम होंगे।'

बीके संतोष ने संतुलित व्यक्तित्व विकास में आध्यात्मिक ज्ञान और आत्म-साक्षात्कार की भूमिका पर व्याख्यान दिया। 'खेल में जाने का अर्थ है किसी के व्यक्तित्व के भौतिक पहलू को विकसित करना। फिर भी हम विशेष रूप से एथलीटों के बीच तनाव और अवसाद के बहुत से मामलों को देखते हैं। इसका मतलब है कि हमें कुछ ठीक करना है या शारीरिक विकास के लिए पूरक है।

इसके अतिरिक्त हमें अपनी आध्यात्मिक पहचान की प्राप्ति की आवश्यकता हो सकती है। मनुष्य केवल एक भौतिक शरीर नहीं है बल्कि एक संवेदनशील आत्मा है जो इस भौतिक शरीर में निवास करती है और इसे नियंत्रित करती है।

सभी मिलकर दुनिया को दु:ख दर्द से मुक्त करें: बीके सुधा

» शिव आमंत्रण, मॉस्को/रशिया। मॉस्को में ब्रह्माकुमारीज के प्रमुख मेहमान फिल्म निर्देशक गैलिना येवतुशेंको की भागीदारी के साथ सुंदर कार्यक्रम में विश्वप्रकाश स्तंभ में एकत्रित हुए, जिन्होंने वृत्तचित्र फिल्म 'लियो टॉल्स्टॉय और महात्मा गांधी के इंटीरियर में डबल पोर्ट्रेट' प्रस्तुत किया। उनकी बेटी सुश्री अन्ना येवतुशेंको के साथ सह-लेखक हैं। सेवाकेंद्र निदेशक बीके सुधा ने दर्शकों को बधाई के साथ परमात्म ज्ञान के शब्दों के साथ संबोधित किया। उन्होंने इन महत्वपूर्ण समय में आध्यात्मिक मूल्यों के महत्व पर जोर दिया जब बहुत से लोग पीड़ित हैं। 'भाईचारे की भावनाओं की अपनी मूल प्रकृति को फिर से जगाने का समय आ गया है ताकि हम एक साथ मिलकर दुनिया को दु:खों और दर्द से मुक्त कर सकें।'

भारतीय दूतावास मास्को मिशन की उपप्रमुख जीना उइके ने भारत के इतिहास में उल्लेखनीय तिथि को समर्पित कार्यक्रम के आयोजन के लिए सबकी प्रशंसा और आभार व्यक्त किया। भारत सरकार ने स्वतंत्रता के इस त्योहार को बहुत ही काव्यात्मक तरीके से बुलाने का फैसला किया-'आज़ादी का अमृत महोत्सव' जिसका अर्थ है 'स्वतंत्रता के महान उत्सव का अमृत'। सुश्री अन्ना येवतुशेंको ने लियो टॉल्स्टॉय और महात्मा गांधी द्वारा व्यक्त किए गए सभी महत्वपूर्ण विचारों को याद दिलाया-दो महान नेता जिनके जीवन और कार्य दुनिया भर के बहुत से लोगों के लिए प्रेरणा बना। प्रो. गैलिना येवतुशेंको, निदेशक और निर्माता, रशियन स्टेट ह्यूमैनिटेरियन यूनिवर्सिटी, मॉस्को ने दर्शकों को भारत स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ और भारत और रूस के बीच राजनयिक संबंधों पर बधाई के शब्दों के साथ धन्यवाद दी। उन्होंने प्यार, गर्मजोशी और मित्रता की अनूठी भावना पर जोर देते हुए कार्यक्रम के आयोजकों की सराहना और कृतज्ञता जाहिर की और गहरी भावनाओं को साझा किया।

लंदन में लीडर्स पुरस्कार से डॉ. बीके दीपक सम्मानित

» शिव आमंत्रण, यूनाईटेड किंगडम/ लंदन। मैरियट होटल ग्रोसवेनर स्क्वायर में एशिया वन मैगजीन द्वारा आयोजित 17वें एशिया यूरोप बिजनेस एंड सोशल फोरम 2022 में होंडुरास के राजदूत महामहिम इवान रोमेरो-मार्टिनेज और निकारागुआ के राजदूत महामहिम गिसेल मोरालेस-एचवेरी द्वारा प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के ध्यान प्रशिक्षक डॉ बीके दीपक हरके को पिछले 33 वर्षों से राजयोग के प्रचार और प्रसार के लिए 'भारत के महानतम लीडर्स 2021-22' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में लंडन के संसद सदस्य स्टीव बेकर तथा संसद सदस्य माइक वूड, फिल्म अभिनेत्री रागेश्वरी को ईश्वरीय संदेश दिया। संस्कार चैनल लंडन के संचालक राज राजेश्वर गुरुजी ने डॉ. बीके दीपक हरके को लंदन में सम्मानित करने पर ग्लोबल कॉपरेशन हाऊस आकर संस्कार चैनल पर आने के लिए ब्रह्माकुमारीज के यूरोप संचालिका बीके सुदेश, बीके मौरिन तथा डॉ बीके दीपक हरके से मुलाकात की।

संतों ने यूक्रेन-रुस युद्ध विराम, शांति के लिए की प्रार्थना

» शिव आमंत्रण, यूक्रेन। यूक्रेन रशिया वार की शांति के लिए बारह धार्मिक नेताओं ने चेर्निंत्सि शहर, यूक्रेन का दौरा 12 अप्रैल 2022 को किया। जिसमें कैंटरबरी के आर्कबिशप (एमेरिटस), रोवन विलियम्स (यूके), रब्बी जोनाथन विटेनबर्ग (यूके), ग्रैंड मुफ्ती (एमेरिटस) मुस्तफा सेरिक (बोस्निया) और आर्कबिशप निकितास लुलियास। हालांकि चेर्निंत्सि देश के पश्चिम में एक शांत इलाका है, लेकिन फिर भी सभी वहां प्रभावित हैं। वहां के लोगों के चेहरों पर तनाव का माहौल है। वहां के लोग महान भावना और लचीलेपन के साथ विश्वास से भरा दूरदर्शी हैं। मेरा मानना है कि हम यूक्रेन में पीड़ीतों से नहीं मिले बल्कि उनसे मिले जो अपने और अपने साथी नागरिकों के बेहतर भविष्य के लिए हर संभव कोशिश कर रहे थे। यह स्वीकार करते हुए कि हर जीवन कीमती है। हर तरफ से हमारा उद्देश्य यूक्रेन के लोगों और उन सभी के साथ रहना था जो वर्तमान संघर्ष से प्रभावित हुए हैं। हमारे दिन की शुरुआत विभिन्न स्थलों के भ्रमण से हुई। एक स्थान जो सिटी ऑफ गुडनेस महान प्रेरणादायक थी। जहां घरेलू हिंसा से भागकर 80 माताओं और बच्चों के घर बनाया गया। इसमें 120 माताएं और युद्ध से विस्थापित बच्चे और अनाथ बच्चे हैं।

सूचना के लिए संपर्क करें

सामाजिक सेवाओं तथा आंतरिक सशक्तिकरण के प्रयास के साथ निकाला गया मासिक शिव आमंत्रण समाचार पत्र एक संपूर्ण अखबार है। इसमें आप सभी पाठकों का लगातार सहयोग मिल रहा है, यही हमारी ताकत है।
वार्षिक मूल्य ▸ 110 रुपए, तीन वर्ष ▸ 330
आजीवन ▸ 2500 रुपए

पत्र व्यवहार का पता

संपादक ▸ ब्र.कु. कोमल
ब्रह्माकुमारीज़ शिव आमंत्रण ऑफिस,
शांतिवन, आबू रोड, जिला- सिरोही,
राजस्थान, पिन कोड- 307510
मो ▸ 9414172596, 6377090960
Email ▸ shivamantran@bkivv.org

Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2021-23, Licensed to Post without pre-payment No. RJ/WR/WPP/18/2021

Posted at Shantivan P.O. Dt. 17 to 20 of Each Month

Published on 14th of each month & Issue- JUNE 2022

■ प्रकाशक एवं मुद्रक: ब्र.कु. करुणा द्वारा प्रकाशित एवं डीबी कॉर्प लिमिटेड जयपुर से मुद्रित ■ संपादक: ब्र.कु. कोमल ■ संयुक्त संपादक: ब्र.कु. पुष्पेन्द्र ■ RNI No.: RJHIN/2013/53539